वैशाख कृष्ण पक्ष षष्ठमी संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 291 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
19 अप्रैल 2025 शनिवार

आज का मौसम
40 अधिकतम
24 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

छोटा भाई बताकर निशांत की नई सनसनी

चुनाव के पहले बदलेंगे समीकरण, वक्फ पर हिंसा के बाद केंद्र को रिपोर्ट भेजने का वक्त!

नई दिल्ली, दोपहर मेट्रो

देश के कुछ राज्यों में चुनाव का समय अभी दूर है लेकिन सियासी दल तब तक समय का भरपूर सदुपयोग करने में जुटे हैं। खासतौर पर बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर सरगर्मी बढ़ती जा रही है। यहां इसी साल के आखिर में चुनाव होना है। मप्र में भी भाजपा ने बिहार के प्रवासियों को साधने के लिये अभियान चला रखा है तो छग से लेकर अन्य राज्यों में भी भाजपा की बिहार के लोगों पर नजर हैं। माना जा रहा है कि गैर यादव वोटों को लामबंद करने के लिये भाजपा शिवराज सिंह चौहान का बिहार में उपयोग करेगी,तो यादव वोटों के लिये सीएम मोहन यादव भी भाजपा का बडा अस्त्र होंगे। उधर कांग्रेस बिहार में फिर राजद व पुराने सहयोगियों संग चुनाव लड़ने की जुगत में है लेकिन इस बार सौ सीटों पर दावा कर रही है। इस बीच बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत ने अपने पिता के स्वास्थ्य पर बात करते करते प्रतिद्वंदी तेजस्वी यादव पर एक बड़ा बयान देकर हलचल मचा दी है। उन्होंने तेजस्वी का अपना छोटा भाई बताया और राजनीति में अपनी एंट्री के सवाल को टालते हुए बिहार की जनता से एक बार फिर से एनडीए की सरकार बनाने की अपील की। वे बोले एनडीए अच्छा बहुमत से फिर से लाएं, पिता सीएम रहें। जब उनसे पूछा गया कि तेजस्वी आपकी बहुत तारीफ करते हैं तो उन्होंने कहा, हां... ठीक है, हमारे छोटे भाई हैं, ऐसे कहते हैं तो अच्छी बात है। जब उनसे स्वास्थ्य पर निशांत ने कहा कि मेरे पिता बिल्कुल ठीक हैं। आराम से पांच साल सीएम रह सकते हैं। दरअसल पिछले चुनाव में लालू यादव की आरजेडी ने सबसे ज्यादा 75 सीटों पर जीत दर्ज की थी, जबकि बीजेपी ने 74 सीटों व नीतीश की पार्टी ने 43 पर जीत हासिल की थी।

बंगाल में बवाल के बीच सियासी सरगर्मी

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में हिंसा के बाद ममता सरकार चौतरफा घिरी है। मानवाधिकार आयोग से लेकर राष्ट्रीय महिला आयोग की टीमें हिंसा का एक-एक सच जानने मैदान में हैं व जमीनी दौरा कर रही हैं। इस बीच, राज्यपाल सीवी आनंद बोस भी एक्शन मोड में हैं और कल मालदा में राहत शिविर में दंगा पीड़ितों से मुलाकात के बाद आज मुर्शिदाबाद की तरफ उनका रुख है। ममता सरकार इससे अनमनी है। माना जाता है बोस केंद्र को अपनी रिपोर्ट भेजेंगे। राजभवन सूत्रों ने कहा है कि राज्यपाल मुर्शिदाबाद के दंगा प्रभावित इलाकों का भी दौरा कर सकते हैं। वहीं महिला आयोग टीम रात मालदा में ही रुकी और सुबह मुर्शिदाबाद पहुंच गई। ये टीम उन घरों को देखने को भी पहुंच रही है, जो आगजनी की चपेट में आए हैं. इस दौरान बंगाल बीजेपी नेता श्रीरूपा मित्रा भी साथ हैं। टीम कोलकाता में राज्यपाल, मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक से मिलेगी।

दिल्ली से मुरैना पहुंचे मुख्यमंत्री मोहन

भोपाल। मप्र के मुख्यमंत्री मोहन यादव आज दिल्ली से कुछ देर के प्रवास हेतु मुरैना पहुंच रहे हैं। वे बड़ागांव नावली में आयोजित एक स्थानीय कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे और इसके बाद ग्वालियर होते हुए भोपाल के लिए रवाना होंगे। सीएम हेलिकॉप्टर से ग्वालियर से मुरैना आये। बताया जाता है कि वे सांसद शिवमंगल सिंह तोमर के बेटे के लगन फलदान कार्यक्रम मे शामिल होंगे और जनप्रतिनिधियों व आमजन से मुलाकात करेंगे।

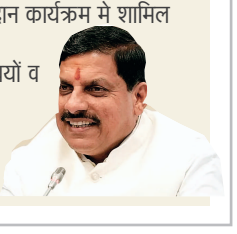

दिल्ली में चार मंजिला इमारत ढहने से मौतें, कई मलबे में दबे

नईदिल्ली. एजेंसी

राजधानी में बिगडते मौसम के बीच मुस्तफाबाद इलाके में देर रात करीब तीन बजे एक 4 मंजिला बिल्डिंग ढह गई। हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई। इमारत के गिरने से करीब दो दर्जन से अधिक लोग मलबे में दब गए। सभी मृतकों की पहचान हो गई है। फिलहाल 18 लोगों को बाहर निकाला जा चुका है जिनमें से 14 को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जबकि दर्जनभर के मलबे में दबे होने की आशंका है। एनडीआरएफ, डॉग स्क्वाड, दिल्ली पुलिस और फायर डिपार्टमेंट की टीमें राहत एवं बचाव कार्य में जुटी हैं। एक चश्मदीद ने बताया कि इमारत पुरानी या जर्जर हालत में नहीं थी। यह प्लॉट एल शेप में था जो संभवत- बिल्डिंग के गिरने की एक वजह हो सकता है।

उधर हादसे पर मुस्तफाबाद के बीजेपी विधायक मोहन सिंह बिष्ट ने कहा, मैंने दो महीने पहले कहा था कि कहीं न कहीं ये बिल्डिंग हादसे को दावत दे सकती है. अब बिल्डिंग गिर गई। शुक्रवार से दिल्ली में मौसम में अचानक बदलाव देखने को मिल रहा है। रात को भारी बारिश और आंधी के कारण शहर के कई इलाकों में इमारतों के गिरने की खबरें सामने आई हैं।

एसएफ जवान ने ड्यूटी के दौरान खुद को गोली मारी

खरगोन, एजेंसी

एसएफ यानि पुलिस की स्पेशल फोर्स के जवान ने ड्यूटी के दौरान खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। जवान ने अपनी सर्विस राइफल गर्दन पर रखकर गोली चला दी। गोली सिर के पार निकल गई, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। यह घटना जिले के गोगावां क्षेत्र में रात की है। जवान का नाम राजकुमार शर्मा है। वह इंदौर का रहने वाला था। हालांकि जवान ने ऐसा क्यों किया, इसके कारणों का खुलासा नहीं हुआ है। राजकुमार शीतला माता मंदिर के सामने स्थित चौकी पर ड्यूटी पर था। तभी उसने यह कदम उठाया। गोली की आवाज सुनकर आसपास के जवान और अफसर मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक राजकुमार की मौत हो चुकी थी

आज रात को चीता पावक व प्रभाष की शिफ्टिंग शुरू होगी

कूनो से गांधीसागर अभयारण्य की यात्रा, अफसर मुस्तैद

भोपाल, दोपहर मेट्रो

श्योपुर के कूनो नेशनल पार्क के युवा चीता पावक और प्रभाष को कल रविवार गांधी सागर वन्यजीव अभयारण्य में छोड़ा जाएगा। ये दोनों एक ही मादा चीता से जन्मे है। इनकी उम्र 3 साल है। इन्हें खेमला वन क्षेत्र में बने 15.04 वर्ग किलोमीटर के बाड़े में छोड़ा जाएगा। देश के अंदर चीतों की इस पहली शिफ्टिंग की शुरुआत आज रात होगी व कल दोपहर 3 बजे खत्म होगी। ज्ञात हो कि इस पहली शिफ्टिंग को केंद्रीय वन मंत्री भूपेंद्र यादव की मौजूदगी में सीएम मोहन यादव ने हरी झंडी दी है।

बताया जाता है कि अगले एक साल में 8 और चीते भारत लाए जाएंगे। ये सभी मध्यप्रदेश को मिलेंगे। बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) की ओर से बताया गया कि ये चीते दक्षिण अफ्रीका, बोत्सवाना तथा केन्या से लाए जाएंगे। भारत और केन्या के बीच अनुबंध पर सहमति प्रक्रिया चल रही है। इनमें से 4 चीते गांधी सागर अभयारण्य में रखे जाने हैं, जबकि बाकी के चीते कूनो में ही छोड़े जाएंगे। चीता मित्रों को प्रशिक्षित करने के लिए आईआईएफएम भोपाल की मदद ली जाएगी।

सर्वाइवल रेट विश्व में सर्वाधिक

अफसरों का दावा है कि भारत में जन्मे चीता शावकों की सर्वाइवल रेट विश्व में अधिकतम है, अन्य देशों में चीता शावक आसानी से सर्वाइव नहीं कर पाते। चीता शावक जलवायु से अनुकूलन के अभाव में सर्वाइव नहीं कर पाते हैं। इस अनुरूप भी गांधीसागर अभयारण्य बेहद अनुकूल है, जिसे देखते हुए यहां चीते छोड़ने का निर्णय लिया गया।

बयानबाजी: बांग्लादेश को हद में रहने की कड़ी चेतावनी

नईदिल्ली. एजेंसी

भारत ने बांग्लादेश को सख्त चेतावनी दी कि वह पश्चिम बंगाल हिंसा पर बयानबाजी न करे, बल्कि अपने यहां अल्पसंख्यकों की सुरक्षा पर फोकस करे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि बांग्लादेश का बयान धूर्तता और कपट से भरा है। वह अपने यहां अल्पसंख्यकों के नरसंहार से ध्यान भटकाना चाहता है। उनके यहां अल्पसंख्यकों पर अत्याचार करने वाले अपराधी आजाद घूम रहे हैं। दरअसल बांग्लादेश के अंतरिम सरकार के चीफ एडवाइजर मोहम्मद यूनुस के प्रेस सेक्रेटरी ने कहा था कि भारत को उन अल्पसंख्यक मुस्लिमों की रक्षा करनी चाहिए, जो पिछले हफ्ते बंगाल के मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा से प्रभावित हुए हैं। बांग्लादेश में बीते कुछ समय से अल्पसंख्यकों पर हमले बढ़ गए हैं। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने पिछले महीने संसद में बताया था कि 2024 में बांग्लादेश में राजनीतिक उथल-पुथल शुरू होने के बाद अल्पसंख्यकों पर उत्पीड़न की 2400घटनाएं हुई। इस साल अब तक ऐसी 72 घटनाएं हो चुकी हैं।

भारत ने कहा ध्यान न भटकाए

राजस्थान-गुजरात से मप्र आए लू के थपेड़े

भोपाल। मौसम विभाग ने आज शनिवार को राजस्थान-मध्य प्रदेश में तेज लू (हीटवेव) की आशंका जताई है।जबकि महाराष्ट्र में भी तेज गर्मी रहेगी। इसके अलावा बिहार, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, झारखंड, नॉर्थ ईस्ट समेत 14 राज्यों में आंधी-तूफान की चेतावनी है। बारिश के साथ यहां तेज आंधी और बिजली का भी अलर्ट है। बताया जा रहा है कि राजस्थान और गुजरात से आई गर्म हवाओं के असर से पूरा मध्यप्रदेश तप रहा है। सीजन में पहली बार कल पारा 44 के पार पहुंच गया। खजुराहो, गुना और नौगांव सबसे ज्यादा गर्म रहे। आज भी यह पारा 43 पार होन के आसार हैं। उधर हिमाचल प्रदेश में शुक्रवार से मौसम खराब है। तेज बारिश के साथ ओलावृष्टि हुई। शनिवार को भी बारिश, ओलावृष्टि और तूफान का ऑरेंज अलर्ट है।

कनाडा में अग्रिम मतदान के लिए मतदाताओं की उमड़ी भीड़

ओटावा। कनाडा में संघीय चुनाव के लिए अग्रिम मतदान शुक्रवार से शुरू हो गए हैं, जिससे मतदाताओं को आधिकारिक मतदान दिवस 28 अप्रैल से पहले अपना वोट डालने के लिए कई दिन मिल गए। कनाडा के कई शहरों में लोग लंबी कतारों में खड़े नजर आए। सोशल मीडिया के मुताबिक, कई अग्रिम मतदान केंद्रों पर वोट डालने के लिए एक घंटे तक का इंतजार करना पड़ा। सीबीसी न्यूज ने चुनाव कनाडा के प्रवक्ता डगाल्ड मौडस्ले के हवाले से कहा, ''देशभर में मतदान को लेकर काफी रुचि दिखाई दे रही है और कई केंद्रों पर भीड़ देखी जा रही है।'' प्रवक्ता ने कहा कि पहले दिन भारी मतदान जरूरी नहीं कि कुल मतदान भी ज्यादा होगा, लेकिन संकेत उसी ओर इशारा कर रहे हैं।

विस की कार्यवाही ऑनलाइन ना होने पर सिंघार ने किए सवाल

भोपाल, एजेंसी

मप्र विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने विधानसभा की कार्यवाही ऑनलाइन नहीं किए जाने को लेकर एक बार फिर सवाल उठाए हैं। सिंघार ने एक्स पोस्ट में कहा कि डिजिटल इंडिया में मध्यप्रदेश विधानसभा ऑफलाइन क्यों है। देश की सभी विधानसभाएं नेशनल ई-विधान ऐप्लिकेशन के तहत डिजिटल हो रही हैं, कार्यवाहियों का सीधा प्रसारण हो रहा है, लेकिन मध्यप्रदेश अब तक अंधेरे में क्यों है? हर साल करोड़ों रुपए सिर्फ विधानसभा की कार्यवाही दिखाने को मिलते हैं, फिर भी प्रदेश सरकार आज तक एक ठोस कदम नहीं उठा पाई। क्या सरकार को डर है कि अगर कार्यवाही जनता ने देख ली, तो उनके असली चेहरे बेनकाब हो जाएंगे? उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की कार्यशैली जवाबदेही से भागना है। विधानसभा जनता का मंच है, न कि सत्ता की गोपनीय बैठक। आखिर सरकार विधानसभा की कार्यवाही को जनता की नज़रों से दूर क्यों रखना चाहती है?

मेट्रो एंकर | पंचर खड़े डंपर में घुसा रिफायंड ऑइल भरा ट्रक

आधी रात भोपाल में सड़क पर लुटा तेल, मदद की पुकार अनसुनी !

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी के बिलखिरिया इलाके में बीती देर रात सड़क किनारे पंचर खड़े एक डंपर में रिफायंड आयल से भरा तेज रफ्तार ट्रक घुस गया। इस हादसे में ट्रक क्लीनर की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि चालक को गंभीर चोट आई। हादसे के बाद ट्रक में लदा तेल सड़क पर फैल गया जिसे समेटने के लिए आसपास के लोग टूट पड़े। पुलिस ने बमुश्किल लोगों को वहां से हटाया और घायल चालक को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। थाना प्रभारी उमेश सिंह चौहान ने बताया कि करीब 22 टन रिफायंड आयल से भरा एक ट्रक बूंदी राजस्थान से नागपुर जा रहा था। यह ट्रक ग्राम झागरिया स्थित मोड़ के पास पहुंचा, तभी सड़क किनारे पंचर खड़े एक डंपर में पीछे से घुस गया। हादसा इतना भयानक था कि ट्रक का अगला हिस्सा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया और ट्रक में सवार क्लीनर और ड्रायवर बुरी तरह से फंस गए। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से किसी तरह क्लीनर और चालक को बाहर निकाला, लेकिन तब तक क्लीनर की मौत हो चुकी थी। घायल चालक को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। क्लीनर का नाम दिलीप निवासी जीरापुरा राजगढ़ बताया गया है, जबकि ट्रक खिलचीपुर निवासी कैलाश चला रहा था। पुलिस ने बताया कि हादसे के समय डंपर में कई टन निर्माण सामग्री लदी हुई थी, जिससे उसका वजन काफी ज्यादा था। चालन ने उसे सड़क किनारे खड़ा किया था। उसे टक्कर मारने वाले ट्रक की रफ्तार भी ज्यादा जिसके कारण डंपर भी आगे की तरफ सरक गया। हालांकि सड़क किनारे लोहे की रेलिंग लगी होने के कारण वह ज्यादा नहीं बढ़ पाया, अन्यथा डंपर और ट्रक सड़क से करीब दस से बारह फीट नीचे जा गिरते।

पुलिस ने बमुश्किल खदेड़ा

बताया जाता है कि हादसे के चलते ट्रक से उसमें लदे रिफायंड आयल के ड्रम फूट गए थे। क्लीनर और चालक तक पूरी तरह से तेल से नहाए हुए थे, लेकिन बाकी तेल और तेल क पैकेट सड़क पर बिखर गए थे। एक्सीडेंट की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे व घायलों की मदद के बजाए तेल लूटने में जुट गए। पुलिस ने किसी तरह मोर्चा संभाला, लेकिन जब लोग नहीं माने तो स्थानीय लोगों की मदद से लोगों को वहां से भगाकर रेस्क्यू किया गया।

भाजपा नेता घोष की शादी में नहीं पहुंचा बेटा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल भाजपा के पूर्व अध्यक्ष दिलीप घोष ने बीती रात निजी जिंदगी में एक नई शुरुआत की। उन्होंने अपनी पार्टी की सहयोगी रिंकू मजूमदार के साथ अपने न्यू टाउन स्थित घर में एक साधारण समारोह में शादी की। इस शादी ने राजनीतिक गलियारों और आम लोगों का ध्यान खींचा। 60 साल के होने से एक दिन पहले घोष ने शादी की रस्में पूरी की। घोष अपनी जोशीली भाषणों और अडिग राजनीतिक रुख के लिए जाने जाते हैं। शादी में उनके करीबी रिश्तेदार और दोस्त शामिल हुए। अब खरगपुर में एक बड़ा जश्न होगा। क्योंकि खरगपुर, घोष का गृहनगर है। हालांकि शादी में घोष की पत्नी रिंकू का बेटा प्रीतम शामिल नहीं हुआ। आज उसने कहा कि काम के कारण वह शादी में शामिल नहीं हो सके, लेकिन वह अपनी मां के लिए खुश हैं। प्रीतम ने कहा, उन्होंने अपनी जिंदगी मुझे पालने में बिता दी।

मौन धरना

भोपाल के मंगलवारा जैन मंदिर पर सकल जैन समाज ने नीमच में जैन संतों के हमलों के विरोध में मौन धरना दिया।

24 कुंडीय यज्ञ

भोपाल के अवधपुरी बीडीए ग्राउंड में गायत्री परिवार द्वारा विश्व में शांति को लेकर 24 कुंडीय यज्ञ का आयोजन किया गया।

स्वास्थ्य और जीवन शैली पर चिंतन

स्वास्थ्य प्रबंधन से जीवन प्रबंधन, मैनेजमेंट गुरु ने दिया मंत्र

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

वर्तमान समय में जब जीवन भागदौड़ और तनाव से भरा हुआ है, ऐसे में स्वास्थ्य और सकारात्मक सोच के महत्व को समझना पहले से कहीं अधिक आवश्यक हो गया है। इसी उद्देश्य को लेकर आरोग्य भारती भोपाल महानगर द्वारा आयोजित मासिक प्रबोधन कार्यक्रम में देश के सुप्रसिद्ध मैनेजमेंट गुरु एन. रघुरमनने स्वास्थ्य प्रबंधन से जीवन प्रबंधन विषय पर प्रेरणादायक एवं विचारोत्तेजक संबोधन दिया। यह आयोजन अपेक्स बैंक परिसर स्थित समन्वय सभागृह में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रमुख सचिव (स्वास्थ्य) संदीप यादव ने की। इस अवसर पर आरोग्य भारती के राष्ट्रीय संगठन सचिव डॉ. अशोक कुमार वार्ष्णेय ने सारस्वत वक्ता के रूप में आरोग्य भारती के सेवा कार्यों, विचारधारा और जनकल्याण के लिए चलाए जा रहे प्रयासों पर प्रकाश डाला। मुख्य वक्ता रघुरमन ने कहा कि अच्छा स्वास्थ्य केवल शरीर से नहीं, बल्कि विचारों से भी जुड़ा होता है। उन्होंने कहा कि यदि हम दिन की समाप्ति पर सोने से पहले अगले दिन के लिए कार्यों की सूची बनाएं और सकारात्मक सोच के साथ नींद लें, तो दिनचर्या अधिक व्यवस्थित और संतुलित बनती है। उन्होंने अपने निजी जीवन का उल्लेख करते हुए बताया कि जब उनके मित्रों की फोटो अखबारों में छपती थी, तब उनके पिता ने उनसे पूछा, तुम्हारा नाम कब छपेगा? इस पर उनकी माँ ने आत्मविश्वास से कहा, इसका नाम तो रोज़ अखबार में छपेगा। माता-पिता के इस आशीर्वाद और विश्वास ने उन्हें प्रेरणा दी, और आज पिछले 25 वर्षों से उनका कॉलम निरंतर प्रकाशित हो रहा है। संदीप यादव कहा कि स्वास्थ्य ही जीवन की असली पूंजी है। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश सरकार स्वास्थ्य के क्षेत्र में बहुआयामी प्रयास कर रही है, जिसमें आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों के साथ-साथ आयुर्वेद, योग, नेचुरोपैथी जैसी भारतीय चिकित्सा पद्धतियों को भी समान महत्व दिया जा रहा है। कार्यक्रम में डॉ. अशोक कुमार वार्ष्णेय ने आरोग्य भारती के माध्यम से देशभर में चल रहे स्वास्थ्य जागरूकता अभियानों की विस्तार से जानकारी दी।कार्यक्रम के अंत में मध्यभारत प्रांत के प्रांत प्रमुख डॉ. राजेश शर्मा ने समस्त अतिथियों, सहभागियों और आयोजकों का आभार प्रकट किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में चिकित्सक, शिक्षाविद, सामाजिक कार्यकर्ता, विद्यार्थी और शहर के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

शाहपुरा-मनीषा मार्केट तिराहे पर लेफ्ट टर्न क्लियर नहीं

सिग्नल की वजह से लगता जाम वाहन चालक रोज हो रहे परेशान

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शहर के शाहपुरा इलाके में मनीषा मार्केट तिराहे पर लगे ट्रैफिक सिग्नल वाहन चालकों के लिए इन दिनों मुसीबत बन गए हैं। कम जगह होने के कारण ये सिग्नल जाम की स्थिति बना रहे हैं। रोजाना 50 हजार से अधिक वाहन चालक परेशान हो रहे हैं। उन्हें सिग्नल चालू होने से वाहनों को खड़ा करके ईंधन फूंकना पड़ रहा है। बिट्टन मार्केट से शाहपुरा, कोलार-बावड़ियां कलां-चूनाभट्टी जाने वाले मार्ग में सिग्नल लगे हैं, लेकिन रोड छोटी होने से समस्या भी अति विकट है। ऐसी स्थिति ही कोलार-शाहपुरा-चूनाभट्टी से आने वाले वाहन चालकों के साथ हो रही है। शाहपुरा झील के नजदीक लेट टर्न में जगह कम होने के कारण यहां से आने वाले वाहनों को मजबूरी में वाहन रोककर खड़ा होना पड़ता है। इससे परेशानी ज्यादा हो रही है। शाहपुरा ट्रैफिक सिग्नल के पास सड़क पर कई गुमटी रखी हैं। यहां से आवाजाही करने वाले हजारों वाहन चालकों को रोजाना परेशानी होती है। पहले हालात ठीक थे अब सिग्नल चालू होने के बाद स्थिति बहुत ज्यादा बिगड़ गई है।

लेट-टर्न क्लीयर करना जरूरी

बिट्टन मार्केट-प्रशासन अकादमी की ओर से आने पर लेट टर्न में एक दर्जन से अधिक गुमटियां वाहन चालकों के लिए बाधा खड़ी कर रही हैं, जिससे वाहन लेट टर्न यानी शाहपुरा, भरतनगर, गुलमोहर, रोहित नगर, त्रिलंगा की ओर नहीं जा पाते। इसी तरह, कोलार रोड की ओर आने से पार्क की दीवार होने के कारण जगह कम होने से टू-लेन सड़क पर वाहनों की लाइन लग जाती है। ये वाहन बिट्टन मार्केट, दस नंबर, एमपी नगर, शिवाजी नगर, तुलसी नगर, चार इमली की ओर जाने में परेशान होते हैं। लोगों का कहना है कि यातायात विभाग को सिग्नल चालू करने हैं, तो उन्हें पहले लेट टर्न पर रखी गुमटियों को हटाना होगा। इससे यहां से गुजरने वाहनों चालक को परेशानी ना हो। बिट्टन मार्केट से बावड़ियां कलां जाने के दौरान शाहपुरा-मनीषा मार्केट में लेट जाने के लिए जगह नहीं होने के कारण ट्रैफिक सिग्नल में रोजाना जाम के हालात बन रहे हैं। प्रशासन को इस मामले में सत एक्शन लेना चाहिए।

समस्या व समाधान

- ट्रैफिक सिग्नल को सुधारने या हटाने की आवश्यकता
- यातायात प्रबंधन में सुधार करने की आवश्यकता
- लेट टर्न में आने वाले सभी अवरोधों को मौके से हटाना जरूरी
- कम जगह होने के कारण वाहनों की लाइन लग रही है
- लेट टर्न पर जगह नहीं मिलने के कारण समय बर्बाद होता है।
- पीक ऑवर्स और दोपहर के वक्त में यह परेशानी ज्यादा बढ़ती है

जसलोक स्कूल के पास प्याऊ की स्थापना कल

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

बजरंग सेना समिति के सचिव बृजकिशोर सेन जन्म दिन पर 20 अप्रैल को प्रातः 10 बजे जसलोक स्कूल के सामने प्याऊ का शुभारंभ करेंगे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रुप में पूज्य सिंधी पंचायत के अध्यक्ष माधु चांदवानी एवं पार्षद अशोक मारण उपस्थित रहेंगे। समिति अध्यक्ष कमलेश देवानी ने कहा सेन का यह प्रयास इस बात का संदेश है कि जन्मदिन पर केक न काटे सेवा कार्य करें। प्याऊ की स्थापना से राहगीरों को शीतल पेय मिल सकेगा।

यूजीसी ने छात्रों को डिजिटल प्रैक्टिकल के दिए आदेश, 100 साल तक हुआ जानवरों का विच्छेदन

कॉलेजों में केंचुआ, मेंटक, झींगा के डिसेक्शन पर रोक

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

जूलॉजी विषय का नाम सुनते ही छात्रों के जहन में सबसे पहले केंचुआ, मेंढक, झींगा और छिपकली जैसे जीवों की चीर-फाड़ की तस्वीर उभरती है, लेकिन पेटा के अनुरोध के बाद विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने कॉलेजों में केंचुआ, मेंढक, झींगा जैसे जीवों के डिसेक्शन (चीर-फाड़) पर रोक लगा दी है। इसके स्थान पर छात्रों को डिजिटल प्रैक्टिकल करने के निर्देश दिए गए हैं, लेकिन प्रदेश के लगभग 90 प्रतिशत कॉलेजों में अब तक वर्चुअल लैब की सुविधा उपलब्ध नहीं है, जिससे छात्रों की प्रैक्टिकल पढ़ाई पर असर पड़ रहा है। राजधानी के मोतीलाल विज्ञान महाविद्यालय (एमवीएम) में ऐसी ही एक वर्चुअल लैब स्थापित की गई है, जहां छात्र सॉफ्टवेयर के जरिए जानवरों की आभासी चीर- फाड़ करते हैं। इसमें उन्हें जानवरों के एक-एक अंग की बारीकी से जानकारी दी जाती है, लेकिन सभी कॉलेजों में यह सुविधा न होने के कारण जूलॉजी विषय पढ़ रहे हजारों छात्र सिर्फ किताबों के भरोसे रह गए हैं। वर्चुअल डिसेक्शन से प्रैक्टिकल नॉलेज नहीं मिलता या तो सभी कॉलेजों में वर्चुअल लैब की सुविधा दी जाए, या कोई ऐसा वैकल्पिक तरीका निकाला जाए जिससे वे थ्योरी के साथ-साथ प्रैक्टिकल स्किल भी सीख सकें। नहीं तो आने वाले समय में जूलॉजी जैसे विषयों में छात्रों की रुचि प्रभावित होंगी। छात्र वर्षों से जानवरों का प्रैक्टिकल करते आए हैं, लेकिन पेटा आने के बाद क्रूरता मानते हुए यूजीसी ने सभी शिक्षण संस्थानों में इसे बैन कर दिया है। विडंबना है यह कि इन जानकारों के खाने पर रोक नहीं है। डिसेक्शन से छात्रों को प्रैक्टिकल नॉलेज नहीं मिल पाता ।

योग महोत्सव

सिद्धभाऊजी ने कहा - हर बीमारी की दवा है योग

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से पहले 100 दिन 100 शहर 64 दिन का योग महोत्सव मनाया जा रहा है। भोपाल में यह महोत्सव संतनगर के प्राकृतिक चिकित्सा महाविद्यालय में शुरू हुआ। शहीद हेमू कालाणी एज्यूकेशनल सोसाइटी के अध्यक्ष सिद्धभाऊ ने इसका शुभारंभ किया। सिद्धभाऊजी ने कहा, योग हर रोग की दवा है और यदि हम प्रतिदिन योग करते हैं तो बहुत सारी बीमारियों से मुक्त हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि योग हमारी भारतीय संस्कृति का आधार है जिसे पूरी दुनिया अपना रही है। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) अंकेश सिंह ने कहा कि पूरी दुनिया में हर साल 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदृष्टि के तहत, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस से पहले 100 दिन 100 शहर की संकल्पना के अंतर्गत, भारत सरकार के आयुष विभाग द्वारा संचालित मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान द्वारा मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल शहर में 64वें दिन का योग महोत्सव आयोजित करने की जिम्मेदारी हमारे महाविद्यालय को मिली है। कार्यक्रम में भोपाल शहर के 800 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय द्वारा निर्धारित कॉमन योगा प्रोटोकॉल का अभ्यास कराया गया, जिसे महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा घोषित किया गया। साथ ही, एक संगीतमय योग प्रस्तुति भी हुई, जिसकी लोगों ने बहुत सराहना की। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में बच्चे, युवा, महिलाएं और बुजुर्ग शामिल हुए। कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों को उपहार के रूप में आकर्षक टी-शर्ट और स्वास्थ्यवर्धक अल्पाहार भी दिया गया। कार्यक्रम के दूसरे भाग में, महाविद्यालय की छात्राओं के लिए रिसर्च मेथोडोलॉजी विषय पर एक कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें एम्स भोपाल के अतिरिक्त प्रोफेसर डॉ. वरुण मल्होत्रा और एम्स रायपुर के चिकित्सा अधिकारी डॉ. विक्रम पाई ने योग और प्राकृतिक चिकित्सा के क्षेत्र में किए गए प्रामाणिक शोध कार्यों की जानकारी छात्राओं को दी और भविष्य में छात्राओं को शोध कार्य करने के लिए मार्गदर्शन दिया। महाविद्यालय के निदेशक हीरो ज्ञानचंदानी ने भविष्य में भी इस तरह के आयोजन करने की बात कही।

मेट्रो एंकर

निजी अस्पताल इसके लिए वसूलते हैं मोटी फीस

लकवा मरीजों को बड़ी राहत : हमीदिया में अब मुफ्त थ्रोम्बोलिसिस इलाज सुविधा शुरू

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी के हमीदिया अस्पताल ने लकवे के मरीजों के लिए जल्द ठीक होने की नई उम्मीद जगाई है। अब तक जो इलाज सिर्फ निजी अस्पतालों में उपलब्ध था, वो हमीदिया में भी शुरू किया गया है। खास बात यह कि इस थ्रोम्बोलिसिस इलाज के लिए जरूरी टेनेक्टेप्लेस इंजेक्शन मुफ्त मिल रहा है। यह दिमाग की नसों में जमे खून के थक्के (ब्लड क्लॉट) को तोड़ कर उसे घोल देता है। खास बात यह है कि निजी अस्पतालों में यह इंजेक्शन 30 से 40 हजार रुपए में मिलता है। बताया जाता है कि स्ट्रोक (लकवा) के मामलों में समय ही जीवन होता है। मरीज को स्ट्रोक के 4 घंटे 30 मिनट के भीतर अस्पताल पहुंचाया जाए, तो इंजेक्शन से खून का थक्का आसानी से हटाया जा सकता है साथ ही मरीज पूरी तरह ठीक हो सकता है। इसे गोल्डन पीरियड या विंडो पीरियड कहा जाता है। लकवे का मुख्य कारण यही थक्के होते हैं, जो दिमाग तक रक्त का प्रवाह रोक देते हैं। इंजेक्शन खून को दोबारा बहाव में लाकर मस्तिष्क को पहुंचाता है, जिससे लकवा धीरे-धीरे खत्म होने लगता है। हाल में अस्पताल में सीहोर से लाए गए मरीज का इलाज किया गया है।

इधर, एम्स ने बनाया कैंसर इलाज का नया मॉडल

इधर बढ़ते कैंसर मरीजों और इलाज की असमानता को देखते हुए एम्स भोपाल की टीम ने स्क्रोफ्लेक मॉडल तैयार किया है। यह टियर-2 और टियर-3 शहरों के लिए बनाया गया है। ऐसे शहरों में कैंसर की समय पर पहचान व इलाज की सुविधाएं कम हैं। डॉक्टरों के मुताबिक देश में 70त्न कैंसर के मरीज गांव और छोटे शहरों में रहते हैं, लेकिन इलाज की 95त्न सुविधाएं बड़े शहरों तक सीमित है। करीब 80त्न मरीजों में कैंसर तब पकड़ में आता है, जब वह गंभीर हो चुका होता है। इस असमानता को दूर करने के लिए एम्स भोपाल के डॉ. शशांक बंसल, डॉ. अंकित जैन, डॉ. सैकत दास और डॉ. केतन मेहरा ने देश के अन्य संस्थानों के साथ मिलकर यह मॉडल बनाया है। इस पर देश में सबसे पहले एम्स भोपाल में काम हो रहा है। एम्स भोपाल-टाटा मेमोरियल के साथ इसका एपेक्स सेंटर बनाकर पूरे प्रदेश में इसका संचालन करेगा। यह सेंटर हर जिला मुख्यालय में बनाए जाएंगे। इसके लिए डॉक्टरों की ट्रेनिंग भी होगी। गांवों में भी प्राथमिक कैंसर केंद्र बनेंगे।

मप्र कांग्रेस ने तैयार की नई गाइडलाइन

मंच संहिता से मंच व माइकप्रेमी नेताओं पर अंकुश लगाएगी कांगेस!

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

कांग्रेस ने अनुशासन के न जाने कितने पाठ अपने नेताओं व कार्यकर्ताओ को पढाए हैं लेकिन इसका असर बहुत थोडे समय ही दिखा है। अब एक घटना से सबक लेकर मप्र कांग्रेस ने 'मंच संहिता' तैयार की है, इसके जरिए कांग्रेस नेताओं की मंच पर चढने व सभी को नजर आने,फोटो खिंचांने,माइक पर कब्जा जमाने की बेताबी पर अंकुश लगाने का विचार है। इसे जल्द प्रभावी बनाने की कवायद हो रही है। दरअसल पिछले महीने भोपाल में किसान कांग्रेस के विधानसभा घेराव कार्यक्रम का मंच ढह गया था। इससे कांग्रेस पदाधिकारी राजीव सिंह, महेन्द्र सिंह चौहान,मानक अग्रवाल,रवि सक्सेना,महेन्द्र जोशी सहित दर्जनभर नेता घायल हो गए थे। इस घटना की वजह भी मंच पर नेताओं की अनियंत्रित भीड़ ही रही, हालांकि मंच की मजबूती पर भी सवाल उठे और मामला पुलिस शिकायत तक भी पहुंचा।

इसी घटना के बाद मप्र कांग्रेस ने प्रदेश स्तर से लेकर जिला और ब्लॉक लेवल पर होने वाले कार्यक्रमों के लिए मंच मामले में गाइडलाइन बनाने की कवायद शुरू की थी। अब कांग्रेस का इरादा है कि मंच पर बैठने के बजाए सभी नेता मंच के सामने पहली कतार में बैठेंगे और बारी आने पर मंच पर पहुंचकर भाषण देकर वापस सीट पर लौटेंगे। यानि मंच पर बीचोंबीच एक डायस ही होगा और बैकड्राप में गांधी-अंबेडकर समेत वरिष्ठ नेताओं की तस्वीर होंगी। संगठन के प्रभारी महामंत्री संजय कामले ने करीब एक महीने के होमवर्क और तमाम नेताओं से बातचीत के बाद अब मंच संहिता बना ली है,इसे एआईसीसी से भी अप्रूव करा लिया गया है। जल्द ही इसे जिले व ब्लाक स्तर तक भेजा जा रहा है। बताया जाता है कि कांग्रेस ने सभी विधायकों, सांसदों, जिला अध्यक्षों, प्रदेश पदाधिकारियों, जिला प्रभारी, सह प्रभारी, संगठन मंत्रियों और ब्लॉक अध्यक्षों के साथ पूर्व सांसद, पूर्व विधायकों को पार्टी के कार्यक्रमों की मंच व्यवस्था, स्वागत, भाषण, वाहन व्यवस्था और बैकड्रॉप तक को गाइडलाइन में

शामिल किया है। जिला प्रभारियों और सह प्रभारियों पर इसे पालन कराने की जिम्मेदारी होगी। कुछ पदाधिकारियों को गाइडलाइन भेजकर कहा गया है कि यदि कोई सुझाव हो तो 19 अप्रैल तक भेज दें ताकि जरूरी सुझावों को शामिल करते हुए इसे फाइनल मंजूरी मिल सके। हालांकि गाइडलाइन का उल्लंघन करने वाले नेताओं कार्यकताओं पर क्या एक्शन होगा,इसका जिक्र नहीं है।

कार्यक्रमों में महात्मा गांधी, डॉ. भीमराव अंबेडकर की फोटो अनिवार्यतः रखवाई जाएं। और अतिथियों द्वारा सूत की माला से माल्यार्पण किया जाए। कार्यक्रम का शुभारंभ वंदे मातरम् के गायन से किया जाए। कार्यक्रम के समापन में जन-गण-मन अनिवार्य रूप से कराया जाए। मंच संचालक द्वारा सभी को इस संबंध में कार्यक्रम के दौरान इन बातों को बार-बार दोहराया जाए। ताकि राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान के दौरान अनुशासन का पालन हो।

भाषण में रिपीटेशन नहीं

गाइडलाइन में यह भी दर्ज है कि मंच पर सभी वक्ता बिना मुद्दे और विषय के लंबा भाषण देने से बचें। ऐसे वक्ताओं के लिए एक घंटी रखी जाएगी ताकि बिना विषयवस्तु के यदि लंबा भाषण हो जाए तो घंटी बजाकर भाषण को खत्म करने का संकेत दिया जा सके। बोलने का समय भी तय रहेगा। मंच के ठीक सामने दर्शक दीर्घा में कोई भी नेता या मोर्चा संगठन के कार्यकर्ता अपने झंडे, बैनर लहराकर कार्यक्रम में व्यवधान नहीं करेगा। मंच के आकार भी कार्यक्रमों के महत्व के मुताबिक तय किया गया है।

सीएम ने अफसरों से पूछा

सागौन के पेड़ हैं तो ही जंगल कहेंगे...

जलवायु परिवर्तन और समुदाय आधारित आजीविका पर कार्यशाला आयोजित

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

सीएम डॉ. मोहन यादव ने जलवायु परिवर्तन और समुदाय आधारित आजीविका पर आधारित कार्यशाला के पहले दिन वन अफसरों को खरी–खरी सुना दी। कहा कि जहां सागौन के पेड़ होते हैं, उसी क्षेत्र को काम का जंगल माना जाता है। जबकि सभी तरह के पेड़ों का महत्व है इसलिए मिश्रित प्रजाति के पेड़ों वाला जंगल होना चाहिए, लेकिन हम अंग्रेजों के नक्शे कदम पर चलना नहीं छोड़ रहे। कहा, बिगड़े वन शब्दों का इस्तेमाल किया जाता है, समझ ही नहीं आता कि वन कैसे बिगड़ सकते है। हां, उजड़े वन शब्द तो समझ में आता है। सीएम का कहना था कि कई स्तर पर अमूल–चूल सुधार की जरुरत है। जब वह वन अफसरों को हिदायत दे रहे थे तब केंद्रीय वन-पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव भी मौजूद थे। आज शुक्रवार को कार्यशाला का दूसरा दिन है।

आदिवासियों के पूजा स्थलों को संरक्षित करने कदम उठाएंगे

सीएम डॉ. मोहन यादव ने यह भी कहा कि वन क्षेत्रों में आदिवासी समाज वर्षों से पूजा करते आ रहे हैं। सरकार इनके पूजा स्थलों का संरक्षण करेगी। यदि इस संरक्षण के लिए नियमों में बदलाव करने की जरुरत पड़ी तो वह भी करेंगे। यह भी कहा कि वन क्षेत्रों में आदिवासी पूजा ही तो कर रहे हैं, यह उनकी वर्षों पुरानी आस्था से जुड़ा विषय है। यदि वे वन क्षेत्रों में इसके लिए आते-जाते हैं, पूजा स्थलों को संरक्षित कर रहे हैं, थोड़ा निर्माण करना चाहते हैं तो इसमें गलत क्या है। केंद्रीय वन-पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि प्रकृति जो भी पैदा करती है वह विश्व के लिए बोझ नहीं है लेकिन इंसान का बनाया हुआ हर सामान प्रकृति के गारबेंज है। जिसकी वजह से आज समूचा विश्व बड़ी समस्याओं से जूझ रहा है। भारत और मध्यप्रदेश भी इससे अछूते नहीं है।

अब गैर-जिम्मेदारों पर होगी कठोर कार्यवाही

भोपाल। स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह द्वारा मंत्रालय में वीडियो कॉन्फ्रेंस से प्रदेशभर के डीईओ, जेडी सहित अन्य विभागीय अधिकारियों से चर्चा की। इस दौरान मंत्री सिंह ने निर्देश दिए कि स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों का प्रयास होना चाहिए कि प्रदेश के शत-प्रतिशत बच्चों का स्कूल में नामांकन हो। टीम वर्क के साथ काम किया जाए।?वभाग के जो अधिकारी-कर्मचारी श्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे, उनका सार्वजनिक रूप से सम्मान किया जायेगा। कार्य के प्रति गैर-जिम्मेदार रहने वाले अधिकारी और कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने जिलों में अब तक कराये गये नामांकन की जानकारी प्राप्त की। मंत्री सिंह ने कहा कि स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारी-कर्मचारी शैक्षणिक वर्ष 2025-26 में श्रेष्ठ प्रदर्शन कर शिक्षा को नई दिशा दें। बैठक में स्कूल शिक्षा सचिव डॉ. संजय गोयल, आयुक्त लोक शिक्षण शिल्पा गुप्ता, संचालक राज्य शिक्षा केन्द्र हरजिंदर सिंह और विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

पीएम एक्सीलेंस अवार्ड मप्र के 2 आईएएस को

फटिंग राहुल हरिदास और नेहा मीना का हुआ चयन

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

पीएम उत्कृष्टता पुरस्कारके लिए मध्यप्रदेश के दो आईएएस बड़वानी जिले के कलेक्टर रहे डॉ. फटिंग राहुल हरिदास और झाबुआ जिले की कलेक्टर, नेहा मीना का चयन हुआ है। पीएम कल दिल्ली में दोनों सिविल सेवा दिवस के मौके पर सम्मानित करेंग । वे अन्य सरकारी अधिकारियों को उनके असाधारण योगदान के लिए लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए दिल्ली में ये पुरस्कार प्रदान करेंगे। जानकारी के अनुसार डॉ. फटिंग राहुल हरिदास को यह अवार्ड भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं में शानदार उपलब्धि के लिये मध्यप्रदेश के ब?वानी जिले के समग्र विकास श्रेणी एवं झाबुआ जिले की कलेक्टर नेहा मीना को आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम Aspirational Blocks Programme कैटेगरी के अन्तर्गत अवार्ड प्रदान किया जाएगा। उल्लेखनीय है लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिये प्रधानमंत्री पुरस्कार योजना केन्द्र,राज्य सरकारों और जिला संगठनों द्वारा किये गये असाधारण और अभिनव कार्यों को मान्यता देता है। प्राथमिक क्षेत्र कार्यक्रमों के तहत जिलों का समग्र विकास, केन्द्रीय मंत्रालयों,विभागों, राज्यों, जिलों में नवीन कार्य में पुरस्कार दिये जायेंगे। योजना में व्यापक भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिये प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग ने सभी तक पहुंच का अभियान शुरू किया है जिसके तहत केन्द्रीय मंत्रालयों, विभागों, राज्य सरकारों और जिला कलेक्टरों के साथ आउटरीच बैठकों की श्रृंखला आयोजित की गई है । प्रधानमंत्री पुरस्कार में एक ट्राफी, एक स्क्रॉल और पुरस्कृत जिला, संगठन को 20 लाख रूपये की प्रोत्साहन राशि दी जायेगी जिसका इस्तेमाल जन कल्याण के किसी भी क्षेत्र में परियोजनाओं,कार्यक्रमों के क्रियान्वयन अथवा संसाधनों की कमी को पूरा करने के लिये किया जायेगा। पुरस्कार विजेताओं के नामांकन को संसद टेलीविजन की 'अभिनव पहल' श्रृंखला के तहत मासिक राष्ट्रीय सुशासन वेबिनार सीरीज और राज्यों की राजधानियों में बेहतर प्रशासन व्यवहारों को दर्शाने वाले क्षेत्रीय सुशासन सम्मेलनों जैसे राष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत किया जाता है।

हरिरंजन राव समेत मप्र कैडर के 5 आइएएस की जिम्मेदारी बदली

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

केंद्र में प्रतिनियुक्ति पर सेवा दे रहे मप्र कैडर के 5 आइएएस अफसरों की जिम्मेदारी केंद्रीय कार्मिक विभाग ने बदल दी है। 1994 बैच के आईएएस हरिरंजन राव को पीएमओ से हटाकर केंद्रीय खेल एवं युवक कल्याण मंत्रालय में भेजा है। पूर्व में वह पीएमओ में अतिरिक्त सचिव थे। अब खेल एवं युवक कल्याण मंत्रालय में विशेष ड्यूटी अधिकारी होंगे। 1992 बैच के आईएएस आशीष श्रीवास्तव को गृह मंत्रालय में इंटर स्टेट काउंसिल के सलाहकार की जगह सचिव बनाया है। 1991 बैच के आईएएस मनोज गोविल को वित्त मंत्रालय के वित्त विभाग में सचिव से हटाकर केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के समन्वय में सचिव पदस्थ किया है। 1994 बैच की पल्लवी जैन गोविल को केंद्रीय हाइड्रोकार्बन तेल एवं पेट्रोलियम मंत्रालय के महानिदेशक पद से हटाकर युवा कल्याण विभाग में सचिव बनाया है। जबकि 1994 बैच के आईएएस एवं केंद्रीय वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग में अपर सचिव रहे विवेक अग्रवाल को केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय में सचिव नियुक्त किया है।

कार्य में देरी पर भोपाल डीईओ-डीपीसी को नोटिस

लोक शिक्षण आयुक्त ने संबंधित जिलों के विरुद्ध शास्ति (दंड) लगाने की चेतावनी भी दी

भोपाल. दोपहर मेट्रो। स्कूल शिक्षा विभाग ने भोपाल सहित 6 जिलों के प्रभारी डीईओ और डीपीसी को कारण बताओं नोटिस जारी किया है।?यह कार्यवाही अशासकीय विद्यालयों के सत्यापन का काम चार माह बाद भी नहीं करने के चलते की गई है। मामले में लोक शिक्षण आयुक्त ने इन सभी के विरुद्ध शास्ति (दंड) लगाने की चेतावनी देते हुए 25 अप्रैल तक अशासकीय विद्यालयों के सत्यापन की रिपोर्ट अपलोड करने को कहा है। जारी आदेश में कहा गया है कि संबंधित अफसरों के जिले में सभी अशासकीय विद्यालयों के सत्यापन के निर्देश दिए गए थे, जिसे एजुकेशन पोर्टल 3.0 पर अपलोड किया जाना था, लेकिन यह काम 28 दिसम्बर 2024 तक पूरा किया जाना था लेकिन सत्यापन की कार्यवाही तय अवधि तक पूरी नहीं की जा सकी। इसके बाद संचालनालय द्वारा 3 अप्रैल 2025 को निर्देश जारी किए गए, लेकिन फिर भी कार्य नहीं हुआ।

संपादकीय

दवाओं का अजब कारोबार

हमारे देश में बीमार को दवाओं के नाम बताने वाले बहुत मिल जाते हैं और लोग भी अपनी समझ के मुताबिक दवा खरीदकर खाने लगते हैं। ऐसे में कई बार मामला बिगड़ भी जाता है। तिस पर दवा कंपनियों की भूमिका भी कम लापरवाह नहीं है। वे भी लोगों की सेहत से खिलावड़ करती हैं। ऐसे में आम भारतीय और दवा कंपनी दोनों की ही गलतियां उजागर होती हैं। हाल में केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन यानी सीडीएससीओ की ओर से सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के औषधि नियंत्रकों को पैंतीस दवाओं पर पाबंदी लगाने का निर्देश आम जनता के स्वास्थ्य की सुरक्षा के मद्देनजर एक जरूरी कदम है। सीडीएससीओ ने पैंतीस 'फिक्स्ड-डोज काम्बिनेशन' यानी एफडीसी दवाओं के निर्माण, बिक्री और वितरण को रोकने का निर्देश दिया है, जिनमें दर्द निवारक, पोषण संबंधी पूरक आहार और मधुमेह रोधी दवाएं शामिल हैं। प्रतिबंध का उद्देश्य इन दवाओं की वजह से जन स्वास्थ्य और सुरक्षा के सामने पैदा हो रहे खतरों को रोकना है। मगर सवाल है कि सरकार के संबंधित महकमों के तहत एक व्यापक तंत्र होने के बावजूद ये दवाएं खुले बाजार में कैसे पहुंचती हैं। किसी भी दवा के उत्पादन और उसके बाद बाजार में आकर एक जरूरतमंद उपभोक्ता तक पहुंचने की प्रक्रिया होती है। अगर कुछ दवाएं लंबे समय तक बाजार में बिकती रहती हैं तो उससे उपजे जोखिम के लिए आखिर कौन जिम्मेदार है? पिछले वर्ष अगस्त में भी बुखार, सर्दी, एलर्जी और दर्द के लिए इस्तेमाल की जाने वाली एक सौ छप्पन एफडीसी दवाओं पर पाबंदी लगा दी गई थी। तब भी यह कहा गया था कि ये दवाएं इंसान के स्वास्थ्य के लिए खतरनाक साबित हो सकती हैं। ऐसे निर्देश अक्सर जारी किए जाते रहे हैं। मगर यह समझना मुश्किल है कि सख्ती के बावजूद फिर से कुछ ऐसी दवाएं खुले बाजार में कैसे पहुंच जाती हैं। दवा कंपनियों के लिए वे कैसे नियम-कायदे तय किए गए हैं, जिसके तहत वे ऐसी दवाओं का उत्पादन करती हैं और उन्हें उपभोक्ताओं तक पहुंचाया जाता है, जो इंसानों के स्वास्थ्य के लिए खतरा बन सकती हैं? अगर ऐसी दवाएं बनाने वाली कंपनियां राज्यों के प्राधिकरणों से इसके लिए लाइसेंस मिलने को ढाल बनाती हैं, तो क्या इन कंपनियों के साथ-साथ उन्हें इजाजत देने वाले संबंधित महकमों को भी कठघरे में खड़ा किया जाएगा? सही है कि सीडीएससीओ ऐसी दवाओं को चिह्नित करती है और उसे प्रतिबंधित करने का फैसला करती है। मगर जितने दिनों तक लोगों की सेहत को खतरे में डालने वाली ऐसी दवाएं बिकती रहती हैं, जरूरतमंद लोग उन दवाओं का सेवन करते हैं, उसका क्या और कितना असर पड़ता होगा? पैंतीस या एक सौ छप्पन दवाओं पर पाबंदी लगाने की नौबत तभी आई, जब उसे स्वास्थ्य के लिए खतरनाक पाया गया। अगर किसी बीमारी के इलाज के क्रम में दी जाने वाली दवा को खतरनाक पाया जाता है, तो यह सुनिश्चित कब होता है? जिन दवाओं को जोखिम के दायरे में पाया जाता है, उनके परीक्षण और उसके नतीजों को लेकर पूरी तरह आश्वस्त हुए बिना आम लोगों के लिए उसके उत्पादन, बिक्री या वितरण की इजाजत किस आधार पर दी जाती है? यही सवाल है कि सुरक्षा और प्रभावकारिता के मूल्यांकन के बिना वैसी दवाओं के उत्पादन, बिक्री और वितरण के लिए लाइसेंस कैसे जारी कर दिया गया और चिकित्सक उनके सेवन की सलाह किस आधार पर देते हैं, जो सार्वजनिक स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन सकती हैं। इन हालातों में आमलोगों को भी खुद ही चिकित्सक बनकर अपना इलाज करने से बचना चाहिए।

मुख्य मुकाबले में बने रहने को कांग्रेसी विचार मंथन

■ के.एस. तोमर

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने हाल ही में अपना एआईसीसी सत्र अहमदाबाद में आयोजित किया। यह फैसला केवल संयोग नहीं था, बल्कि एक सूक्ष्म राजनीतिक रणनीति का हिस्सा था। कांग्रेस ने ने सरदार पटेल की कर्मभूमि के भाजपा द्वारा राष्ट्रीय प्रतीकों के 'अधिग्रहण' को चुनौती दी और पार्टी कैडर को आगामी चुनावी संघर्षों के लिए तैयार करने का प्रयास किया। कांग्रेस यह संदेश देना चाहती है कि सरदार पटेल कांग्रेस के विचारों से बाहर नहीं, बल्कि उसकी आत्मा के प्रमुख स्थापक रहे हैं। यद्यपि एआईसीसी सत्र में नयापन और जोश नजर आया, लेकिन पार्टी के सामने कई गंभीर चुनौतियां हैं। इन चुनौतियों में राज्यों में कांग्रेस की राज्यस्तरीय संगठनात्मक संरचना का कमजोर होना व युवाओं से जुड़ाव की कमी है। दरअसल, पहली बार वोट देने वाले युवा अब भी बीजेपी की राष्ट्रवाद और आकांक्षी राजनीति से अधिक प्रभावित हैं। चुनौती यह भी कि पार्टी में राहुल गांधी की औपचारिक स्थिति अब भी स्पष्ट नहीं है। वहीं पार्टी अब तक इंडिया गठबंधन में शामिल तृणमूल, आप और सपा जैसे दलों के साथ मतभेदों का समुचित प्रबंधन नहीं कर पायी है। वहीं पार्टी भाजपा के हिन्दुत्व के ध्रुवीकरण के मुकाबले उदार हिंदू वोटर को आकर्षित नहीं कर पायी, जिससे अल्पसंख्यकों की सुरक्षा-विश्वास सुनिश्चित हो।

एआईसीसी सत्र में कांग्रेस ने बूथ-स्तर के अभियानों, भारत जोड़ो यात्रा 2.0, और युवा, ऊर्जावान सोशल मीडिया पहलों की घोषणा की। कांग्रेस का 'हाथ से हाथ जोड़ो' अभियान सीधे मतदाता से संपर्क साधने का प्रयास है। महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस और

एनएसयूआई जैसे फ्रंटल संगठनों को फिर से सक्रिय करने का निर्णय लिया गया है।गुजरात में कांग्रेस ने अपनी अलग पहचान को सामने रखा, मगर यह सत्र इंडिया गठबंधन में उसकी भूमिका को अनदेखा नहीं कर सका। राहुल गांधी ने स्पष्ट रूप से कहा कि कांग्रेस इस गठबंधन को एक सूत्र में पिरोने वाली कड़ी है और सीट बंटवारे को लेकर सम्मानजनक संवाद आवश्यक होगा। कांग्रेस ने साफ कर दिया कि वह गठबंधन राजनीति के लिए प्रतिबद्ध है, परंतु किसी भी स्थिति में दूसरे दर्जे की भूमिका स्वीकार नहीं करेगी। विशेष रूप से राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में, जहां उसकी मजबूत पकड़ है, वह अधिकतम सीटों पर चुनाव लड़ेगी। कांग्रेस का यह दृष्टिकोण– स्वतंत्र शक्ति के प्रदर्शन और साझा विपक्ष की एकता बनाए रखना–2029 के आम चुनाव तक संतुलन साधने की एक बड़ी परीक्षा होगा।

पिछले दो दशकों से भाजपा के गढ़ रहे गुजरात में एआईसीसी सत्र आयोजित करना कांग्रेस का साहसिक निर्णय था। वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस सिर्फ 17 सीटें जीत पाई थी। इस सत्र के जरिए पार्टी ने संकेत दिया कि वह वैचारिक जमीन छोड़ने को तैयार नहीं और उन क्षेत्रों में भी फिर से जड़ें जमाएगी। यह केवल भौगोलिक नहीं, बल्कि विरासत की बात थी। कांग्रेस से जुड़े महात्मा गांधी और सरदार पटेल–दोनों महान स्वतंत्रता सेनानी–गुजरात से थे। पिछले एक दशक में भाजपा ने पटेल की छवि को हथियाने का भरपूर प्रयास किया है–उन्हें एक 'नजरअंदाज किए गए राष्ट्रवादी' के तौर पर पेश किया गया। 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' इसका प्रतीक है, मगर ऐतिहासिक तथ्य बताते हैं कि पटेल कांग्रेस के एक कट्टर नेता थे, नेहरू के घनिष्ठ सहयोगी और संवैधानिक लोकतंत्र के प्रबल पक्षधर।

राहुल गांधी ने याद दिलाया कि बतौर भारत के पहले गृहमंत्री, पटेल ने रियासतों के एकीकरण में अहम भूमिका निभाई थी–एक सेक्युलर और एकजुट भारत के निर्माणकर्ता के रूप में, न कि किसी हिन्दू राष्ट्रवादी के रूप में। संघ परिवार ने पटेल को नेहरू के वैचारिक प्रतिद्वंद्वी के रूप में पेश करने की जो कोशिश की है, उसे कांग्रेस ने तथ्यात्मक रूप से चुनौती दी। पटेल ने गांधी जी की हत्या के बाद आरएसएस पर प्रतिबंध लगाया और भारत के धर्मनिरपेक्ष लोकतांत्रिक ढांचे की नींव रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।आयोजन के जरिये मल्लिकार्जुन खड़गे की अध्यक्षता ने पुराने और नए नेतृत्व के बीच संतुलन को दर्शाया, वहीं राहुल और प्रियंका गांधी ने नई पीढ़ी का चेहरा पेश किया। सोनिया गांधी ने अपने संक्षिप्त भाषण में 'सत्य और धैर्य से संघर्ष' का संकल्प दोहराया। राहुल गांधी ने मुख्य भाषण में भावनात्मक और रणनीतिक दोनों ही पक्षों को जोड़ा। उन्होंने मोदी सरकार पर संस्थाओं के दुरुपयोग, लोकतंत्र की कमजोर पड़ती संरचना, बेरोजगारी, पूंजीवाद और असहमति की आवाज को दबाने जैसे मुद्दों को उठाया।

निस्संदेह, एआईसीसी सत्र केवल औपचारिकता नहीं था, बल्कि एक रणनीतिक पुनर्संरेखन था। सरदार पटेल की भूमि को चुनकर कांग्रेस ने भाजपा के 'राष्ट्रवाद के एकमात्र ठेकेदार' होने के दावे को खुली चुनौती दी।अब कांग्रेस एक चौराहे पर खड़ी है–या तो इस जोश को जमीनी मेहनत में बदलकर वापसी का रास्ता बनाए, या फिर मोदी की चुनावी रणनीति के सामने धीरे-धीरे अप्रासंगिक हो जाए। एआईसीसी सत्र शुरुआत थी–मगर असली लड़ाई भारत के मतदाताओं के दिलों में लड़ी जाएगी।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

आज का इतिहास

- 1451- बहलोल लोदी ने दिल्ली पर कब्जा किया।
- 1770- कैप्टन जेम्स कुक आस्ट्रेलिया पहुंचने वाले पहले पश्चिमी व्यक्ति बने।
- 1775- अमेरिकी क्रांति की शुरुआत।
- 1882 - कलकत्ता में पहले प्रसूति अस्पताल की शुरुआत।
- 1910- हेली पुच्छल तारे को पहली बार सामान्य रूप से देखा गया।
- 1919 - अमेरिका के लेस्ली इरविन ने पैराशूट से पहली बार छलांग लगाई।
- 1936- फिलिस्तीन में यहूदी विरोधी दंगे शुरू हुए।
- 1971 - भारत ने वेस्टइंडीज को हराकर टेस्ट क्रिकेट श्रृंखला जीती।
- 1972- बांग्लादेश राष्ट्रमंडल का सदस्य बना।
- 1975- भारत अपना पहला उपग्रह आर्यभट्ट लॉन्च कर अंतरिक्ष युग में दाखिल हुआ, यह भारत का पहला वैज्ञानिक उपग्रह था।
- 2011 - क्यूबा के पूर्व राष्ट्रपति फिदेल कास्त्रो ने कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ क्यूबा की केन्द्रीय समिति में 45 वर्षों तक बने रहने के बाद इस्तीफा दिया।
- 1977 - सेटेलाइट कम्यूनिकेशन का प्रारम्भ।
- 2001 - सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने मेघालय के गांव से बांग्लादेशी सेना को मार भगाया।
- 2003 - चीन की महिला भारोत्तोलक बांग मिंग च्यान ने विश्व रिकार्ड बनाया।
- 2005 - जर्मनी के कार्डिनल योसिफ़ रान्सिंगर रोमन कैथोलिक चर्च के नये पोप चुने गये।
- 2006 - प्रथम अंतरिक्ष यात्री नील आर्मस्ट्रांग को उनके द्वारा लाया गया चांद टुकड़ा भेंट किया गया।
- 2008 -उत्तर प्रदेश सरकार ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भूमि अधिग्रहण करने के लिए नई कमेटी बनाने की घोषणा की।
- 1864- महात्मा हंसराज- पंजाब के प्रसिद्ध आर्य समाजी नेता, समाज सुधारक और शिक्षाविद का जन्म।
- 1977- अंजू बॉबी जॉर्ज- भारत की प्रसिद्ध एथलेटिक्स खिलाड़ी का जन्म।
- 1950- एचएस ब्रह्मा- भारत के पूर्व 19वें मुख्य चुनाव आयुक्त का जन्म।
- 2021- सुमित्रा भावे- सुप्रसिद्ध मराठी फिल्म निर्माता का निधन।

हिंदू राष्ट्र की मांग' सिर्फ राजनीतिक शिगुफा तो नहीं?

■ राजीव खंडेलवाल

राजनीतिक क्षेत्र में शिवराज सिंह चौहान से लेकर मोहन यादव तक मध्य प्रदेश को ''सबसे पहले सबसे आगे'' कई क्षेत्रों में ''ग्रीनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड'' में दर्ज कराने की कड़ी को ''तथाकथित धार्मिक क्षेत्र'' में बाबा बागेश्वर राम ने ''हिंदू गांव'' बनाने की घोषणा कर आगे बढ़ाया है। हिन्दू राष्ट्र की लगातार मांग करने वाले बाबा, बागेश्वर धाम, मध्य प्रदेश के पीठाधीश, पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने ''हिन्दू एकता यात्रा'' के बाद बागेश्वर धाम (गढ़ा) में हिन्दू गांव की नींव रखते समय जो कथन किया है, उस पर गौर करने की आवश्यकता है। ''कंठी टीका मधुरी बानी धारक'' पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि ''हिन्दू राष्ट्र का सपना हिन्दू घर से ही शुरू होता है। हिन्दू परिवार, हिन्दू समाज और हिन्दू ग्राम बनाने के बाद हिन्दू तहसील, हिन्दू जिला और हिन्दू राज्य बनेगा, तब कहीं जाकर हिन्दू राष्ट्र की परिकल्पना पूरी होगी। यह मकान लोग अपने जीवनकाल के लिए ले सकेंगे, उनका क्रय-विक्रय नहीं होगा''। उनके इस बयान को दो दृष्टिकोण से देखना होगा। तभी आप वास्तविक स्थिति से रूबरू हो पायेंगें। सामान्य अर्थ तो सीधा सादा है। परंतु क्या वह अर्थशास्त्री का है? एक दृष्टिकोण बिल्कुल सरल (सिंपल) है। एक जगह, ''ग्राम'' में लगभग 1000 तिमंजिला मकान बनाना, उस कालोनी का नाम ''हिन्दू ग्राम'' देना व उसे सिर्फ हिन्दूओं, (सनातन धर्म) मानने वालों को ही बसाना पूर्णतः एक वैधानिक कार्य होकर एक नागरिक का संवैधानिक अधिकार भी है। बाबा ने हिन्दू-सनातनी धर्म शब्द का उपयोग किया है। वैसे हिंदू धर्म और सनातनी धर्म जितना एक सा दिखता है, उतना है नहीं। इसमें कुछ बारीक अंतर है, जिस पर फिर कभी चर्चा करेंगे। जमीन बागेश्वर धाम समिति ने उपलब्ध कराई है। इस परियोजना पर आपत्ति करने के बजाए उनकी पीठ थपथपानी चाहिए। हालांकि बाबा आत्ममुग्धता की स्थिति में ''खुद ही नाचे, खुद ही निछावर करे और खुद ही

बलैयां ले'' की भूमिका में हैं। उक्त ग्राम में निर्माण की धनराशि मकान लेने वालों से ली जाएगी जो 15 लाख से 17 लाख तक होगी। प्रोजेक्ट दो साल में पूरा होगा। महत्वपूर्ण बात हिन्दू गांव मकान में रहने वालो की जीवन शैली ''वैदिक संस्कृति'' पर आधारित होगी।

पंडित धीरेंद्र शास्त्री हिंदू राष्ट्र की अवधारणा को धरातल पर उतारने के तारतम्य में ''राष्ट्र'' के गठन के लिए जोड़ने वाली प्राथमिक ''ग्राम इकाई'' से लेकर ''राज्य स्तर'' की ईकाई के अनुसार ही हिंदू राज्य, हिंदू जिला, हिंदू तहसील, हिंदू ग्राम, हिंदू समाज, और हिंदू परिवार को ''कट्टर हिन्दू'' बनाना चाहते हैं। तकनीकी रूप से उक्त योजना के लिए उक्त क्रमबद्ध कदम तो सही है। परन्तु ''कंह कुंभज कहँ सिंधु अपारा''! बाबा बागेश्वर धाम को पहले यह बतलाना होगा कि उनके ''हिन्दू राष्ट्र'' में कट्टर हिन्दू बनाने से लेकर हिन्दू ग्राम बनाने के बाद अगले क्रम में मेरे जैसे एक हिन्दू को और क्या करना होगा, और कौन-कौन सी आहुतियां उनके विचारों के हिन्दू राष्ट्र बनाने के महायज्ञ में देनी होगी? क्योंकि मैं ''जन जन भीतर राम जी, ज्यों चकमक में आग'' की उक्ति का अनुसरण करने वाले एक ''हिन्दू'' के नाते स्वयं को उस हिन्दू राष्ट्र का रहवासी व नागरिक मानता हूं, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ''सर्वधर्म, समभाव'' की भावना संवैधानिक रूप से और वास्तविक धरातल पर ''सबका साथ सबका विकास'' के मूल मंत्र के साथ मौजूद है। हिंदू राष्ट्र के निर्माण के लिए आवश्यक कट्टर हिंदू परिवार के निर्माण की बात करने वाले बाबा बागेश्वर यह बताने का कष्ट करेंगे कि इस ''कट्टरता'' में क्या हिंदू समाज की रीड की हड्डी ''संयुक्त हिंदू परिवार'' जो हमारी संस्कृति की जीवन शैली की पहचान व व्यवस्था थी, जो आज बिखर सी गई है, ''शामिल है, अथवा नहीं''? इसे बिखरने से रोकने के लिए और उसे पुनः जोड़ने के लिए कौन सा अभियान बाबा ने कभी चलाया हैं? ठीक उसी प्रकार जिस प्रकार धर्मांतरण द्वारा परिवर्तित हिंदुओं की ''धर्म वापसी'' का कार्यक्रम करते हैं। इसके लिए क्या उन्होंने अपनी कथा वाचन में कभी एक शब्द भी कहा है?

पंडित धीरेंद्र शास्त्री का उक्त बयान न केवल अनावश्यक बल्कि सांप्रदायिक सौहार्द को भंग करने वाला ''उत्प्रेरक कथन'' है। यह संविधान में दी गई बोलने की स्वतंत्रता के मूल अधिकार तथा अनुच्छेद 19 (5) पर भी अतिक्रमण करता है। क्योंकि कोई भी मूल अधिकार पूर्ण (एब्सोल्यूट) नहीं है। उक्त बयान पर कांग्रेस व भाजपा की प्रतिक्रिया भी बेहद निराशाजनक है, जो सिर्फ राजनीति से प्रेरित होकर आरोप-प्रत्यारोप तक ही सीमित है। राष्ट्रहित की बात तो निरंक है। इतिहास में ऐसे कई उदाहरण आपको मिल जाएंगे, जब किसी व्यक्ति को कम समय में अपनी क्षमता से ज्यादा सफलता मिल जाती है, तो वह घमंडी होकर सिर चढ़के बोलने लगता है। उल-जलूल बयान देकर वह यह मानकर चलता है, कि उसकी हर बात को उसको चाहने वाले आंख मूंद कर स्वीकार कर लेंगे। लेकिन ऐसा होता नहीं है। बाबा की पहल का समर्थन करते हुए भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने ''रामराज्य की अवधारणा'' को एक तरफ करते हुए जिस ''हिन्दू गांव'' की कल्पना की है, जिसमें छेड़खानी, कब्जा न हो, गोमान्स का सम्मान हो आदि आदि, ऐसा तो एक भी गांव मेरे हिन्दूस्तान में 77 साल की स्वाधीनता के बाद भी अस्तित्व में नहीं है। इसमें लगभग 28 वर्ष के भाजपा शासन काल भी शामिल है।

"क्या बाबा का हिंदू राष्ट्र भागवत जी की हिंदू राष्ट्र की अवधारणा से अलग है?"

बाबा अपने हिन्दू राष्ट्र, की अवधारणा को ''पढ़े-लिखे धर्मभीरू हिन्दू'' व ''अनपढ़ धर्म प्रेमी हिन्दू'' पर थोपने के पूर्व माननीय मोहन भागवत जी के गाजियाबाद में एक किताब के विमोचन के अवसर पर दिये गये कथन को सुन ले, पढ़ ले। ''यह सिद्ध हो चुका है कि हम पिछले चालीस हजार साल से एक पूर्वजों के हैं। सभी भारतीयों का डीएनए एक है, भले ही वे किसी भी धर्म के क्यों न हो। इसमें हिंदू मुस्लिम के एकजुट होने जैसी कोई बात नहीं है। ''सभी लोग पहले से ही साथ हैं''। सरदार वल्लभभाई पटेल ने फरवरी 1949 में यह कहा था ''हिंदू राज पागलपन भरा विचार है''। यद्यपि सरदार पटेल ने ''हिंदू राष्ट्र'' की बजाय ''हिंदू राज'' शब्द का उपयोग किया था। परन्तु वर्ष 1950 में अपने एक उद्बोधन में यह कहकर कि भारत एक ''धर्म निरपेक्ष राज्य'' है, भारत न तो हिंदू देश बन सकता है और न ही हिंदू धर्म भारत सरकार का धर्म बन सकता है, स्थिति स्पष्ट कर दी थी।

"क्या योगी का 80-20 का कथन संख्यात्मक रूप से सही है?"

यह लेख लिखते समय न्यूज 24 का कार्यक्रम ''माहौल क्या है'' कार्यक्रम देख रहा था, जो बाबू जगजीवन राम की 117वीं जयंती के अवसर पर आरा (बिहार) में अनुसूचित जनजाति के जेडीयू के कुछ व्यक्तियों से ''वक्फ बिल'' को लेकर बात कर रहे थे। तब एंकर राजीव रंजन के पूछने पर कि मंदिर जाते हो? कुंभ गये? राम मंदिर गये? आगे जाओगे? लगभग सभी ने इससे इंकार किया। न तो गये थे, न जायेगें। जब अनुसुचित जनजाति के ये व्यक्ति जो ''हिन्दू'' है, हिन्दू धर्म के प्रतीक के प्रति आस्था व्यक्त नहीं कर रहे, तब फिर क्या धीरेन्द्र शास्त्री ऐसे हिन्दूओं को मुख्य धारा में जोड़ने का अभियान चलाएंगे? इस देश में जब भी हिन्दू मुस्लिम की बात होती है, तब हिन्दू धर्म के स्वयंभू रक्षक लोग 80-20 की बात करने लग जाते हैं। निश्चित रूप से लगभग 20 प्रतिशत से कुछ कम मुसलमान तो है ही। परन्तु क्या 80 प्रतिशत हिन्दू हैं, यह बड़ा प्रश्न यह है? इसका एक उपयुक्त उदाहरण मैंने आपको दिया। बुद्ध, सिख, जैन और बहुत सी जगह आदिवासी अपने को ''हिंदू'' नहीं मानते हैं। तब भी हम क्या 80 प्रतिशत है? यदि आप वास्तव में बाबा की नजर का हिन्दू राष्ट्र बनाना चाहते हैं, तब भी आपको 20 प्रतिशत मुस्लिम एवं अन्य धर्मावलंबियों को छोड़कर, शेष समस्त व्यक्तियों को ''सनातनी हिंदू'' बनाना होगा? बडा प्रश्न यह है कि क्या बाबा इसके लिए तैयार हैं? अथवा क्या बाबा राजनीतिक रोटियां सेंकने के प्रयास में अस्थायी रूप से अपनी टीआरपी बढाना चाहते हैं? हिन्दू समाज के इस तरह के संत कथा वाचको ने ही हिन्दू समाज का बड़ा बेड़ागर्क किया है। हिन्दू समाज के बीच विभिन्न वर्गो के बीच ''समरसता'' पैदा करने का कोई प्रयास ये संत नहीं कर रहे हैं, जो उनका पहला दायित्व है। यदि हिन्दू समाज में ''समरसता'' होगी, तो निश्चित रूप से देश ''हिन्दू राष्ट्र'' ही होगा। क्योंकि उस समरसता के भाव में सिर्फ हिन्दू ही एक नहीं होगा, बल्कि देश के प्रत्येक नागरिक के बीच समरसता का भाव होगा, चाहे वह किसी भी धर्म, जाति अथवा सम्प्रदाय का क्यों न हो।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

समय और सागर की लहर किसी की प्रतीक्षा नहीं करती। -रिचर्ड ब्रैथव्हेट

निशाना

काण्ड भी तमाम !

जैसी करनी वैसी भरनी।
खाए खूब मलाई।।
पर आए थे करने।
जनता की भलाई।।
तय मिलना परिणाम।
पेश किया जो काम।।
सत्य है पर लेकिन।
काण्ड भी तमाम।।
एक एक कर चीजें।
बाहर आने वाली।।
हो रहा कुछ सूखा।
थी पहले हरियाली।।
होना था प्रहार ये।
आज नहीं तो कल।।
फंस गई है गाड़ी।
लगता मुश्किल हल।।

- कृष्णेन्द्र राय

परशुराम जन्मोत्सव पर भव्य आयोजन के लिए ब्राह्मण समाज घर-घर दे रहा निमंत्रण

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

भगवान परशुराम जन्मोत्सव अक्षय तृतीया बड़े ही धूमधाम मनाई जाएगी। इसके लिए ब्राह्मण समाज द्वारा समाज के अध्यक्ष संतोष शर्मा के नेतृत्व में समाज की टोली विप्र बंधुओं के घर पहुंचकर संपर्क कर रही है। चार दिवसीय आयोजन में पधारने और सहभागी बनने आमंत्रित भी कर रही है। संपर्क के लिए शहर के वार्डों के लिए प्रभारी भी नियुक्त किए गए हैं जो विप्र वधुओं के घर पहुंचकर आमंत्रित कर रहे हैं। शर्मा ने बताया कि इस बार चार दिवसीय भव्य आयोजन है प्रथम दिवस 27 अप्रैल में बालकों का उपनयन संस्कार होगा। दूसरे दिन 28 अप्रैल को माता रेणुका का पूजन माताओं बहनों के द्वारा किया जायेगा। तृतीय दिवस 29 अप्रैल को वाहन रैली व भगवान परशुराम द्वार का लोकार्पण किया जायेगा। वहीं चतुर्थ दिवस 30 अप्रैल शाम 4 बजे से भगवान परशुराम की भव्य शोभायात्रा स्थानीय सिरोंज चौराहा नौलखी मंदिर धर्मशाला से प्रारंभ होगी जो मुख्य मार्गों से होती हुई ब्राह्मण समाज की निर्माणाधीन धर्मशाला पहुंचेगी जहां भगवान परशुराम की भव्य आरती व प्रसादी के साथ चार दिवसीय आयोजन का समापन होगा। विप्र बंधुओं सहित सभी को निमंत्रण दिया जा रहा है और में मीडिया के माध्यम से क्षेत्र के सभी धर्म प्रेमी सनातन बंधुओं से आग्रह करता हूं कि ब्राह्मण समाज के चार दिवसीय आयोजन में इष्ट मित्रों सहित पधारें और धर्म लाभ लेवें।

निर्माणाधीन धर्मशाला के लिए विधायक ने की पांच लाख की घोषणा, नपा अध्यक्ष बनवा रही भगवान परशुराम द्वार

घर घर संपर्क अभियान में ब्राह्मण समाज केवल विप्र बंधुओं के यहां नहीं पहुंच रही अपितु शहर के समाज सेवी, जन प्रतिनिधियों सहित सभी समाजों के मुखिया व सामाजिक व व्यापारिक संगठनों के यहां भी पहुंचकर आमंत्रित कर रही है । शुक्रवार को प्रतिनिधि मंडल क्षेत्रीय विधायक हरिसिंह रघुवंशी को भी चार दिवसीय आयोजन के लिए आमंत्रण देने पहुंचा था विधायक रघुवंशी ने आमंत्रण को स्वीकार किया व ब्राह्मण समाज की धर्मशाला के लिए तत्काल 5 लाख रुपए की राशि की भी घोषणा की। और नपा अध्यक्ष शशि यादव को आमंत्रण पत्र देते हुए भगवान परशुराम द्वार के निर्माण के लिए आभार भी व्यक्त किया।

किसानों की अधिक माल तौलने की शिकायत पर वेयरहाउस पर कार्रवाई

तौल जांच में गड़बड़ी पाए जाने पर खाद्य अधिकारी ने वेयरहाउस कराया बंद

सिवनी मालवा , दोपहर मेट्रो

विधानसभा सिवनी मालवा की डोलरिया तहसील के ग्राम बैराखेड़ी के सफल वेयरहाउस में किसानों के गेहूं की खरीदी समर्थन मूल्य पर कांद्राखेड़ी समिति द्वारा की जा रही है जहां पर पिछले दिनों किसानों ने गेहूं खरीदी में धांधली का आरोप लगाया था। सफल एग्रो वेयरहाउस में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी के दौरान तुलाई में गड़बड़ी का मामला सामने आने के बाद किसानों ने सीधे सीधे आरोप लगाते हुए ग्राम बमुरिया के किसान हाकम सिंह ग्राम बैराखेड़ी के किसान अतुल राजपूत ने बताया कि मैं अपना 15 कुंटल गेहूं लेकर सफल वेयरहाउस में समर्थन मूल्य पर बेचने आया था 15 कुंटल में से तुलाई के दौरान 12 कुंटल ही मेरा गेहूं निकाला 3 कुंटल गेहूं की शॉर्टेज कैसी आई यह जांच का विषय है। जिसकी शिकायत मैंने खाद विभाग के अधिकारी एवं तहसीलदार सहित अन्य अधिकारियों को की थी। शिकायत के बाद खाद अधिकारी और तहसीलदार ने मौके पर पहुंच कर जांच शुरू की तो फुड विभाग ने खरीदे गए समर्थन मूल्य के गेहूं कि जांच में पाया की करीब 200 क्विंटल गेंहू की शॉर्टेज आई हैं। वही 12 किसानों से समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी की गई थी जिसमें सभी किसानों की करीब 35 से 40 क्विंटल गेहूं की शॉर्टेज आई थी। जिसके बाद वेयरहाउस में जांच कराई गई।

जांच के बाद समिति प्रबंधक ने स्वीकार करते हुए 200 कुंटल की जो शॉर्टेज आई है उसकी पूर्ति करने की बात कही है लेकिन यहां पर किसानों के जहन मे यहां यक्ष बना हुआ है की जो किसानों का 35 से 40 कुंटल शॉर्टेज आई है उसकी पूर्ति कौन करेगा।

इस बात की शिकायत किसानों ने मंगलवार को जनसुनवाई में कलेक्ट से की थी। शिकायत के बाद में उच्च अधिकारियों ने वेयरहाउस में गेहूं की खरीदी बंद करवा दी गई है। वहीं जिला सहकारी बैंक के प्रशासक ने बताया कि जिन किसानों का 21 तारीख तक गेहूं का स्लॉट बुक है उन किसानों से ही गेहूं खरीदा जाएगा उसके बाद में गेहूं की खरीदी बंद करवा दी जाएगी।

वेयरहाउस पर खाद्य अधिकारी नोटिस चस्पा किया

दिनांक 18.04.2025 आदेशानुसार जिला आपूर्ति नियंत्रक नर्मदापुरम कार्यालय कलेक्टर (खाद्य शाखा) नर्मदापुरम जिला नर्मदापुरम के आदेशानुसार पत्र क्रमांक/668/खाद्य शाखा/उपार्जन / 2025-26 नर्मदापुरम दिनांक 17.04.2025 के तहत संस्था सेवा सहकारी समिति मर्यादित कान्द्रा खेड़ी द्वारा समर्थन मूल्य गेंहू उपार्जन का कार्य सफल एग्रो वेयरहाउस ग्राम बैहराखेड़ी में किया जा रहा था, खण्ड स्तरीय उपार्जन समिति नर्मदापुरम द्वारा उपार्जन केन्द्र की जांच की जाकर अनियमितताएं पाये जाने एवं उपार्जन नीति का उल्लंघन पाये जाने के कारण कृषकों की सुविधा के लिए उपार्जन केन्द्र में पूर्व से स्लॉट बुक कराये गये कृषकों के स्लॉट नजदीकी उपार्जन केन्द्र वृहताकार सेवा सहकारी समिति सावल खेड़ा अन्नपूर्णा वेयर हाउस जैतपुर न. 15 उपार्जन केन्द्र कोड क0 56326408 में स्थानांतरित किया जा रहा है जहा किसान सुविधापूर्वक अपनी उपज बेच सकते है।

जल संरक्षण को लेकर छात्र-छात्राओं ने प्रस्तुत किया प्रभावी मॉडल

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

मप्र जन अभियान परिषद, सोहागपुर के विकासखंड समन्वयक किशोर कड़ोले के मार्गदर्शन एवं परामर्श से छात्र-छात्राओं द्वारा जल संरक्षण पर आधारित एक मॉडल तैयार किया गया। इस कार्य में मेंटोर निशा चौरसिया एवं उनकी टीम का विशेष सहयोग रहा।

उक्त मॉडल के माध्यम से ग्राम नगर क्षेत्र में लोगों को जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत वर्षा जल के संरक्षण और उसके पुनः उपयोग के महत्व को समझाया गया। मॉडल में दर्शाया गया कि किस प्रकार छोटे-छोटे प्रयासों से हम वर्षा के जल को धरती के भीतर पुनः पहुंचाकर जल स्रोतों को पुनर्जीवित कर सकते हैं।

इस मॉडल के माध्यम से यह भी समझाया गया कि वर्षा जल का शुद्धिकरण कर उसका उपयोग पेड़-पौधों, सब्जियों की खेती एवं घरेलू जरूरतों के लिए किया जा सकता है। यदि 1000 में से केवल 500 लोग भी यह प्रक्रिया अपनाते हैं, तो किसी भी शहर या ग्राम में कम से कम 10 कुएं पुनः जीवित किए जा सकते हैं। साथ ही केमिकल मुक्त सब्जियों की प्राप्ति और हर वर्ष एक पौधा लगाने की प्रेरणा से भावी पीढ़ियों को फल और छांव की सौगात भी दी जा सकती है।

वर्षा जल संचयन और उपयोग के उपायों को जनमानस के बीच किया प्रदर्शित

एसडीएम सोहागपुर ने किया करनपुर के उपार्जन केन्द्र का निरीक्षण

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना के निर्देशानुसार जिले में रबी उपार्जन कार्य सतत रूप से जारी है। कलेक्टर द्वारा सभी अनुविभागीय अधिकारियों को उपार्जन केन्द्रों का नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि उपार्जन कार्य में पारदर्शिता एवं सुचारु संचालन सुनिश्चित किया जा सके। इसी क्रम में सोहागपुर तहसील में चल रही गेहूं उपार्जन प्रक्रिया के अंतर्गत अनुविभागीय अधिकारी सोहागपुर अनिल जैन द्वारा ग्राम करनपुर स्थित रघुवंशी वेयरहाउस एवं मधुबन वेयरहाउस का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने उपार्जित गेहूं की गुणवत्ता, तौल प्रक्रिया, उपार्जन के पश्चात परिवहन एवं भंडारण व्यवस्था की गहन समीक्षा की। उन्होंने उपार्जन केन्द्रों पर किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इस हेतु आवश्यक निर्देश संबंधित अधिकारियों एवं समिति प्रबंधकों को दिए। श्री जैन ने यह भी सुनिश्चित किया कि केंद्रों पर सभी व्यवस्थाएं नियमानुसार संचालित हों तथा किसानों से समय पर फसल उपार्जन कर नियमानुसार भुगतान की प्रक्रिया पूरी की जाए।

साहित्य सेवी के जन्म दिवस पर कवि सम्मेलन का आयोजन 20 अप्रेल को

नर्मदापुरम। साहित्य एवं समाज को समर्पित व्यक्तित्व केप्टिन किशोर करैया के जन्म दिवस के अवसर पर सुविख्यात साहित्यविद एवं सहित्यकारों की उपस्थिति मे काव्य महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है।हरिओम दीक्षित ने बताया की 20 अप्रैल रविवार 2 बजे से होटल वल्लभ विलास पैलेस एस.पी.आफिस के पास नर्मदापुरम मे वरिष्ठ सहित्यकारों मे ऋषि श्रृंगारी, दिनेश प्रभात भोपाल, गिरिमोहन गुरु, नित्यगोपाल कटारे, संतोष नर्मदापुरम, संगीता सरल भोपाल की गरिमामय उपस्थिति मे नगर सहित म.प्र. के अन्य कविगण काव्य पाठ करेंगे। युवा कवि नवीन हरियाले ने बताया की नर्मदा आव्हान सेवा समिति के संयोजक श्री करैया ने पूरे देश में साहित्यिक आयोजन कर परचम लहराया है। आयोजन समिति के सावन कुमार एंव रामेश्वर यादव ने बताया की निःसंदेह वरिष्ठ कवियों की उपस्थिति से आयोजन गरिमामय होगा, और दादा करैया जी के जन्म दिवस पर आयोजित यह कार्यक्रम एक अविस्मरणीय पलों में शुमार होगा। इस अवसर मध्य भारत ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण भारत के सुप्रसिद्ध साहित्यिक प्रेरक किशोर करैया केप्टिन का साहित्यकारों व्दारा सम्मान किया जायेगा।

नगरीय क्षेत्र से अतिक्रमण हटाए जाने के लिए सिटी मजिस्ट्रेट ने गठित किया दल

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना द्वारा नर्मदापुरम नगर क्षेत्र में अवैध अतिक्रमणों को हटाने के लिए अभियान मोड में सघन कार्यवाही किए जाने के लिए निर्देशित किया गया है। तत्संबंध में सिटी मजिस्ट्रेट बृजेंद्र रावत द्वारा अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध कार्यवाही किए जाने के लिए एक विशेष दल का गठन किया गया है। उक्ताशय में श्री रावत द्वारा शुक्रवार को आयोजित बैठक में इस अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित किए जाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए। सिटी मजिस्ट्रेट श्री रावत ने मुख्य नगरपालिका अधिकारी, नगर पालिका परिषद नर्मदापुरम को निर्देशित किया कि शहरी क्षेत्र में विधिवत अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही प्रारंभ की जाए और प्रतिदिन की गई कार्यवाही की जानकारी नियमित रूप से प्रस्तुत की जाए।

उन्होंने तहसीलदार नगर नर्मदापुरम को निर्देशित किया कि संबंधित क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने के समय वहां के राजस्व निरीक्षक एवं नगर सर्वेक्षक की उपस्थिति सुनिश्चित की जाए, जिससे मौके पर आवश्यक सहयोग प्राप्त हो सके। साथ ही, नगर निरीक्षक कोतवाली, नगर निरीक्षक देहात, थाना प्रभारी पुलिस यातायात नर्मदापुरम को निर्देशित किया गया है कि मुख्य नगरपालिका अधिकारी द्वारा मांग किए जाने पर पर्याप्त पुलिस बल उपलब्ध कराएं, ताकि अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही सुचारू रूप से संपन्न की जा सके।

इस दौरान उन्होंने स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि अतिक्रमण हटाने के लिए गठित दल द्वारा बाजार क्षेत्र में दुकानों के सामने अवैध रूप से रखा गया सामान जिससे यातायात प्रभावित होता है तथा ऐसे चार पहिया एवं दुपहिया वाहन जो की अनियमित तरीके से सड़कों पर पार्क किए जाते हैं उन पर जब्ती की कार्यवाही भी सुनिश्चित की जाए। बैठक के दौरान तहसीलदार नगर नर्मदापुरम देवशंकर धुर्वे सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

मेट्रो एंकर संचालनालय महिला एवं बाल विभाग के निर्देश अनुसार कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी ललित डेहरिया के मार्गदर्शन में प्रोग्राम

पोषण अभियान : सातवें पोषण पखवाड़ा अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों का हो रहा है आयोजन

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

संचालनालय महिला एवं बाल विभाग से प्राप्त निर्देश अनुसार कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी ललित डेहरिया के मार्गदर्शन में आंगनबाड़ी केंद्रों में पोषण अभियान अंतर्गत सातवे पोषण पखवाड़ा अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन हो रहा है। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा सातवां पोषण पखवाड़ा कार्यक्रम दिनांक 8 अप्रैल 2025 से 22 अप्रैल 2025 तक निम्नानुसार थीम पर केंद्रित गतिविधियां आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं-

1. जीवन के प्रथम 1000 दिवस केंद्रित गतिविधियां.
2. पोषण ट्रैकर में हितग्राही मॉड्यूल को लोकप्रिय बनाने हेतु व्यापक प्रचार प्रसार.
3. समुदाय आधारित पोषण प्रबंध मॉड्यूल से कुपोषण का प्रबंधन.
4. बच्चों में मोटापे को दूर करने के लिए स्वस्थ जीवनशैली अपनाने पर बल.

उक्त थीम अनुसार विभिन्न गतिविधियां जैसे गोद भराई कार्यक्रम, रैली का आयोजन, अन्नप्राशन कार्यक्रम, बच्चों का शारीरिक माप दिवसों का आयोजन, पोषण थाली का प्रदर्शन, छूटे हुए हितग्राहियों का पोषण ट्रैक्टर में पंजीयन आदि गतिविधियां आंगनबाड़ी केंद्रों पर आयोजित की जा रही है।

आंगनबाड़ी केंद्रों के संचालन का समय बदला : प्रातः 8 से शाम 3 बजे तक निर्धारित किया समय

नर्मदापुरम। मध्यप्रदेश शासन, महिला एवं बाल विकास विभाग, मंत्रालय वल्लभ भवन, भोपाल के निर्देशानुसार आंगनबाड़ी केंद्रों के संचालन समय में परिवर्तन किया गया है। नवीन आदेश के अनुसार, अब आंगनबाड़ी केंद्र 30 जून तक प्रातः 08:00 बजे से सायं 03:00 बजे तक संचालित किए जाएंगे।

जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग नर्मदापुरम ललित डेहरिया ने बताया कि संशोधित समय सारणी के अनुसार प्रातः 08 बजे से आंगनवाड़ी खोलना तथा बच्चों का स्वागत करना, निर्मल समय बच्चों की साफ-सफाई का अवलोकन तथा आवश्यकतानुसार बच्चों की व्यक्तिगत साफ-सफाई गतिविधियां आयोजित की जाएगी। इसी प्रकार प्रातः 8:30 बजे से 9:00 तक सामूहिक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा, प्रातः 9:00 बजे से 9:30 बजे तक बच्चों को नाश्ता दिया जाएगा, प्रातः 9:30 बजे से 10:00 बजे तक बच्चों के द्वारा स्वतंत्र खेल, प्रातः 10:00 बजे से 10:30 बजे तक छोटे समूह की गतिविधियों का आयोजन, प्रातः 10:30 बजे से 11:00 बजे तक भाषा एवं साक्षरता पूर्व कौशल गतिविधियों का आयोजन, प्रातः 11:00 बजे से 11:30 बजे तक रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन, प्रातः 11:30 बजे से 12:00 बजे तक बाहरी खेल गतिविधियों का आयोजन, दोपहर 12:00 बजे से 01:00 बजे तक भोजन एवं बच्चों को उनके गंतव्य (अभिभावको) तक पहुंचाया जाएगा। इसी प्रकार दोपहर 01:00 बजे से 02:30 बजे तक थर्ड मील-रोजाना, पूरक पोषण आहार, पोषण परामर्श-नियत दिवस, मंगल दिवस-नियत दिवस, वृद्धि निगरानी-नियत दिवस, सबला/किशोरी बालिका योजनांतर्गत परामर्श-नियत दिवस, गृह भेंट-नियत दिवस आदि गतिविधियां आयोजित की जाएगी। दोपहर 2:30 बजे से लेकर 3:00 बजे तक का समय रिकॉर्ड संधारण के लिए निर्धारित किया गया है।

कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना के निर्देशानुसार उक्त संशोधित समय सारणी आगामी आदेश तक प्रभावी रहेगा। सभी संबंधित अधिकारियों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं को इस आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया गया हैं।

निरीक्षण : समर्थन मूल्य केंद्रों का जायजा लेने पहुंचे तहसीलदार

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

एक दिन पहले चाठोली के समर्थन मूल्य केंद्र पर फसल पास करने के बदले में सर्वेयर पर किसान से 2000 लेने का वीडियो वायरल हुआ था ।

इसके बाद अपर कलेक्टर ने जांच करने के निर्देश एसडीएम को दिए थे इसके बाद संबंधित कृषक से पैसों के संबंध में पूछताछ की तो किसान पैसे देने की बात से पलट गया इस वजह से प्रशासन उक्त सर्वेयर पर कार्रवाई नहीं कर पा रहा है।

सर्वेयरों की एसडीएम ने बैठक लेकर दिये सख्त निर्देश पैसे लिया तो होंगी कड़ी कार्रवाई

एसडीएम हर्षल चौधरी ने किसानों के हित में सर्वेयरों की तहसील कार्यालय में बैठक लेकर कड़े शब्दों में कहा कि किसी भी कृषक से उनकी से फसल पास करने के नाम पर वसूली की तो संबंधित सर्वेयरों पर ठोस कार्रवाई की जाएगी ।

इस बात का सभी विशेष ध्यान रखें साथ उन्होंने कहा कि एफएक्यू मापने के लिए 5 से 10 किलो फसल ली जा रही हैं जिन किसानों की फसल पास हो रही उनको लौटने काम करें। इसके अलावा उन्होंने तहसीलदार तथा नायाब तहसीलदारों को प्रतिदिन समर्थन केंद्रों का निरीक्षण करने निर्देश दिए। इसके बाद शुक्रवार को समर्थन मूल्य केंद्रों का निरीक्षण करने के लिए तहसीलदार संजय

चौरसिया ओर नायब तहसीलदार जगदीश प्रजापति पहुंचे।

इन्होंने सबसे पहले गुणवत्ता की जांच की वेयरहाउस में उपार्जन हो रही फसल को देखा खरीदीं पर मौजूद किसानों से चर्चा करके सर्वेयरों के द्वारा फसल पास करने के बदले में कहीं कोई पैसे तो नहीं लिए जा रहे हैं फसल उपज पास करने के बदले में यदि कोई पैसों की मांग करता है तो हमें बताएं हम कार्रवाई करेंगे।

किसी को एक पैसा नहीं देना है साथ कहां कि भराई तुलाई के भी पैसे नहीं देना है कोई मांग करता है तो हमें बताएं बताएं हमें पर इन करवाई करेंगे। किसानों को किया जा रहा है परेशान - समर्थन मूल्य पर सरकार के द्वारा गेहूं, चना, मसूर,सरसों की खरीदी करवाई जा रही है संबंध विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही के कारण किसान को समर्थन मूल्य केदो का मुश्किलों का सामना करना पड़ा खाद्य पूर्ति विभाग के अधिकारी फील्ड में जाते ही नहीं है।

इस वजह से अधिकांश सर्वेयरों के द्वारा फसल पास करने की बदले में अवैध वसूली की जा रही है। इसके साथ ही कई बार वेयरहाउसों पर उपज भरने तोलने के नाम पर हम्मलो के द्वारा भी पैसों की मांग की जाती है। मजबूरी में किसानों इन्हें पैसे देने पड़ा है क्योंकि पैसे नहीं देते हैं तब तक फसल तोली नहीं जाती है। यह सब खाद्य आपूर्ति विभाग के अधिकारियों की मिली भगत से हो रहा है तभी तो यहां जांच करने नहीं जाते हैं ।

कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने किया विदिशा जिला जल आभाव घोषित

विशेष परिस्थितियों में हैंडपंप खनन के लिए एसडीएम से लेनी होगी अनुमति

आदेश का उल्लंघन करने वाले को दस हजार रूपये जुर्माना या दो वर्ष तक की कारावास हो सकती है

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने मध्यप्रदेश पेयजल परिरक्षण अधिनियम के तहत विदिशा जिले को जल आभाव घोषित करने का आदेश जारी कर दिया है। यह आदेश तीस जून तक अच्छी वर्षा होने तक प्रभावशील रहेगा। विशेष परिस्थितियों में नवीन बोरिंग खनन, बोरिंग सफाई की विशेष अनुमति संबंधित तहसील क्षेत्र के अनुविभागीय दंडाधिकारी से अनुमति प्राप्ति के उपरांत कार्यो का संपादन कर सकेंगे।

कलेक्टर अंशुल गुप्ता के द्वारा जारी आदेश में उल्लेख है कि ग्रीष्मकाल में आमजनों के लिए पीने के पानी एवं निस्तार की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए जल की उपलब्धता सुनिश्चित कराने हेतु जिले की समस्त तहसीलों के कुंओं एवं नलकूपों का जल स्तर नीचे चले जाने के फलस्वरूप पेयजल एवं निस्तार हेतु जल आरक्षित रखने के कारण नवीन नलकूप खननों पर प्रतिबंध लगाया गया है।

कलेक्टर श्री गुप्ता के द्वारा जारी आदेशानुसार सम्पूर्ण विदिशा जिले को जल आभाव ग्रस्त घोषित किए जाने के फलस्वरूप कलेक्ट्रेट कार्यालय की अनुमति के बिना व्यक्ति किसी जल स्रोत यथा नदी, बंधान, जलधारा, जलाशय बंधान आदि से सिंचाई या अन्य औद्योगिक प्रयोजन हेतु उपयोग नहीं कर सकेंगे। जिले को जल आभाव घोषित किए जाने का आशय यह भी होगा कि कलेक्टर या इस संबंध में प्राधिकृत अन्य अधिकारी की अनुमति के बिना कोई भी निजी नलकूप खनन नहीं किया जाएगा।

जिले के सतही जल स्त्रोत नदी, नाले के डाऊन स्टीम में सतह के नीचे भूमिगत बहाव रोकनेए कलेक्टिंग पाईप, रेडियल कलेक्टर बेल का उपयोग कर जल का उपयोग नहीं किया जाएगा। जिले के पेयजल स्त्रोतों में कुल आवश्यक जल क्षमता के विरूद्ध उपलब्ध जल क्षमता कम है। अतः जिले के पेयजल स्रोतों से सिंचाई के प्रयोजन के लिए जल के उपयोग पैर प्रतिबन्ध लागू होगा। जिले में नदी, नालों पर संचालित उद्वहन योजनाओं में पानी की उपलब्धता के आधार पर संबंधित ग्राम पंचायत व जल उपभोक्ता संस्था की अनुशंसा और जल संसाधन विभाग के प्रतिवेदन के आधार पर इस कार्यालय द्वारा सिंचाई की अनुमति दी जावेगी। जिन नदी, नालो में पानी नही बह रहा है, वहां नदी, नालों में रूके हुए पानी के लिए कोई अनुमति नहीं दी जावेगी। केंद्रीय शासन एवं उनके उपक्रमों और राज्य शासन के विभागों व उनके उपक्रमों को नलकूप खनन की छूट इस शर्त पर दी जाती है, कि जिस स्थान पर नलकूप खनन किया जा रहा हैए वह मध्यप्रदेश पेयजल परिरक्षण अधिनियम 1986 की धारा 6 के अनुसार व्यतिकरण परिक्षेत्र में नही आता हो। अर्थात उस स्थल के 100 मीटर के भीतर कोई ऐसा नलकूप न हो जिस पर सार्वजनिक जल प्रदाय व्यवस्था आधारित हो। उक्त शर्त के पालन की जिम्मेदारी संबंधित विभाग की होगी। उपरोक्त अपवादों के अतिरिक्तए विदिशा जिले को जल अभाव ग्रस्त घोषित किया जाता है। दस हजार रूपये जुर्माना या दो वर्ष तक की कारावास - उक्तानुसार निर्धारित क्षेत्रों में नदी, बांधों, नहरों, जलाशयों/बंधानों से घरेलू प्रयोजन के अतिरिक्त किसी अन्य प्रयोजन के लिए पानी का उपयोग नही किया जा सकेगा। यदि कोई व्यक्ति आदेश का उल्लंघन कर नलकूप खनन करता है तो वह अधिनियम की धारा 9 के अन्तर्गत प्रथम अपराध के लिये पांच हजार रूपये के जुर्माने से और पश्चात्वर्ती प्रत्येक अपराध के लिये दस हजार रूपये के जुर्माने से या कारावास से, जो दो वर्ष तक को हो सकेगाए दण्डनीय होगा। यदि कोई भी व्यक्ति प्रतिबंधित क्षेत्र में सिंचाई अथवा औद्योगिक प्रयोजन के लिए पानी के उपयोग की अनुमति चाहता है तब वह अधिनियम की धारा 4 व संबंधित नियमों के अन्तर्गत आवेदन संबंधि अनुविभागीय दण्डाधिकारी को प्रस्तुत करें। इसी प्रकार कोई व्यक्ति नलकूप खनन की अनुमति चाहता है तो अधिनियम की धारा 6 के अन्तर्गत आवेदन उक्त प्राधिकृत अधिकारी के कार्यालय में प्रस्तुत कर सकता है। अनुमति - कलेक्टर अंशुल गुप्ता के द्वारा जारी आदेश में उल्लेखित किया गया है कि विशेष परिस्थितियों में प्राधिकृत अधिकारी से अनुमति प्राप्ति के उपरांत नवीन बोरिंग हैण्डपंप खनन अथवा साफ-सफाई के कार्य किए जा सकेंगे।

डेढ़ साल में नपा नहीं बना पाई पालीवाल कॉलोनी का नाला, आम जनता के लिए बना जी का जंजाल

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

नगर पालिका परिषद नवीन बस स्टैंड से लेकर पालीवाल कॉलोनी नहर रोड तक नाले का निर्माण पिछले डेढ़ सालों से करवा रही है। इतना समय बीत जाने के बाद भी निर्माण कार्य पूर्ण नहीं होने से आए दिन हादसे है रहे हैं शुक्रवार को ट्रक फस गया जाम के कारण 2 घंटे तक कॉलोनी में आने जाने वाले लोगों को मुश्किल सामना करना पड़ा इसका निर्माण सुविधा की जगह कॉलोनी बालों के लिए परेशानी का कारण बन गया है। आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं इसकी जानकारी होने के बाद भी नगर पालिका परिषद के जिम्मेदारी और जनप्रतिनिधियों इस ओर ध्यान नहीं दे रहे है। वैसे इस काम 3 महीने के अंदरपूर्ण हो जाना चाहिए था पर यहां काम इतने महीने बीत जाने के बाद भी नहीं हो पाया है। इसी मार्ग पर कई व्यापारियों के तोल कांटे हैं जहां पर किसानों की ट्रैक्टर-ट्रॉली जाती है वहां भी पलट चुकी है। शुक्रवार को व्यापारी का माल भरने के लिए जा रहा ट्रक भी इस नाले में फस गया खुदे पड़े नाले के कारण जगह काम हो गई। दूसरी ओर आखिर किसके दबाव में नगर पालिका परिषद के अधिकारी नाले का निर्माण नहीं करवा रहे है। किसी दिन उनकी लापरवाही कारण बड़ा हदसा हो जाएगा शायद उसके बाद ही अधिकारी ध्यान देंगे।

खेलवृत्ति हेतु आवेदन 31 मई तक आमंत्रित,

सिरोंज। प्रदेश के खेल और युवा कल्याण संचालनालय द्वारा जारी निर्देश का हवाला देते हुए जिला खेल अधिकारी श्री प्रदीप रावत ने बताया कि राज्य स्तरीय खेलवृत्ति हेतु आवेदन 31 मई तक आमंत्रित किये गए हैं। खेलावृत्ति के लिए 01 अप्रैल 2024 से 31 मार्च, 2025 के मध्य आयोजित अधिकृत राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में पदक विजेता जिले के प्रतिभावान खिलाड़ियों से वर्ष 2024 की राज्य स्तरीय खेलवृत्ति हेतु आवेदन आमंत्रित किये गए है। अधिकृत राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ी को राशि 10 हजार रुपए रजत पदक विजेता खिलाड़ी को 8 हजार एवं कांस्य पदक विजेता खिलाड़ी को 6 हजार खेलवृत्ति राशि प्रदान करने का प्रावधान है।

जल गंगा संवर्धन अभियान, विधायक उमाकांत शर्मा ने की प्राचीन बावड़ी की सफाई

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

सिरोंज। सरकार के द्वारा प्राचीन जल स्त्रोतों खूब बन जीवित करने के लिए गंगा जल संवर्धन अभियान प्रारंभ किया है इस अभियान के तहत नगर से लेकर ग्रामीण चुनाव में श्रमदान से सफाई की जा रही है वहीं सरकार की पहली धरातल पर उतरती है तो इसके परिणाम भी सार्थक होंगे प्राचीन जल सूत्रों में यदि पानी भरने लगेगा तो वाटर लेवल में वृद्धि होगी इसके परिणाम स्वरूप पानी की समस्या काफी कमी आएगी शुक्रवार को जल गंगा संवर्धन अभियान में श्रमदान करने के लिए विधायक उमाकांत शर्मा भी पहुंचे इन्होंने जनप्रतिनिधियों तथा द्वारा कार्यकर्ताओं के साथ वार्ड 17 स्थित चूनगिर की बावड़ी का जीर्णोद्धार एवं साफ सफाई के लिए के अभियान प्रारंभ किया स्वयं ने भी झाड़ियां को हटाया। इस नपा अध्यक्ष मनमोहन साहू, रमेश यादव, सीएमओ रामप्रकाश साहू, पार्षदगण, अधिकारी/कर्मचारीगण आदि मौजूद थे।

संत रविदास स्वरोजगार योजना एवं डॉ. भीमराव अम्बेडकर आर्थिक कल्याण योजना तहत आवेदन आमंत्रित

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा मप्र राज्य सहकरी अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम भोपाल के माध्यम से वर्ष 2025-26 में संत रविदास स्वरोजगार योजना एवं डॉ. भीमराव अम्बेडकर आर्थिक कल्याण योजना तहत जिले के अनुसूचित जाति वर्ग के लिए ऋण आवेदन फार्म मप्र शासन के एमपी ऑन-लाईन पोर्टल के माध्यम से किया जा सकता है। संत रविदास स्वरोजगार योजना केवल नवीन उद्यमों की स्थापना हेतु देय होगा । इस योजना में निम्नानुसार अर्हता एवं वित्तीय सहायता सम्बंधित प्रावधान होगें। उद्योग मेन्यूफेक्चरिंग ईकाई के लिऐ राशि रुपये 1 लाख से 50 लाख तक की परियोजनाऐं जैसें एग्रो प्रोससिंग, फूड प्रोसेसिंग कोल्ड स्टोरेज, मिल्क प्रोसेसिंग इसी प्रकृति की अन्य परियोजनाएं और सेवा ईकाई एवं खुदरा व्यवसाय हेतु 1 लाख से 25 लाख तक की परियोजनाऐं जैसे ब्यूटी पार्लर, वाहन मरम्मत, फुटवेयर मरम्मत किराना व्यवसाय, कपडा व्यवसाय, टेन्ट हाऊस एवं बेल्डिंग वर्कशॉप आदि इसी प्रकृति की अन्य परियोजनाएं शामिल हैं।

योजना की पात्रता हेतु आयु 18 वर्ष से 40 वर्ष तक और मध्यप्रदेश का मूल निवासी होना आवश्यक है। आवेदक किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक, वित्तीय संस्था, सहकारी बैंक का चूककर्ता (डिफाल्टर) ना हो। आयकर दाता न हो। न्यूनतम 8 वीं कक्षा उत्तीर्ण हो। परिवार की वार्षिक आय रूपये 12 लाख से अधिक न हों। आवेदक के अविवाहित होने पर आवेदक स्वयं एवं उसके माता-पिता से है, जिन पर वह अश्रित है, अथवा आवेदक के विवाहित होने पर पति, पत्नि एवं आश्रित बच्चों आश्रित एवं अविवाहित बच्चों की उम्र का कोई बंधन नहीं) से है। आवेदक वर्तमान में राज्य अथवा केन्द्र सरकार की किसी अन्य स्वरोजगार योजना का हितग्राही न हो। अनुसूचित जाति वर्ग के हितग्राहियों को बैंक द्वारा वितरित, शेष (आउटस्टेंडिंग) ऋण (टर्म लोन एंड वर्किंग कैपिटल लोन पर 5 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से ब्याज अनुदान, अधिकतम 7 वर्षो तक नियमित रूप से ऋण भुगतान (निर्धारित समय एवं राशि) की शर्त पर दिया जाएगा एवं मप्र शासन द्वारा गारंटी फीस देय होगी। डॉ. भीमराव अम्बेडकर आर्थिक कल्याण योजना - केवल नवीन उद्यमों की स्थापना हेतु देय होगा। इस योजना में निम्नानुसार अर्हता एवं वित्तीय सहायता सम्बंधित प्रावधान होगें परियोजना सीमा-सभी प्रकार के स्वरोजगार हेतु 10 हजार से 1 लाख तक की परियोजनाएं हैं। आवेदक की आयु 18 वर्ष से 55 वर्ष तक हो। मध्यप्रदेश का मूल निवासी हो। आवेदक किसी भी राष्ट्रीकृत बैंक, वित्तीय संस्था, सहकारी बैंक का चूककर्ता (डिफाल्टर) न हो। आयकर दाता न हो। आवेदक के अविवाहित होने पर आवेदक स्वयं एवं उसके माता-पिता से है, जिन पर वह अश्रित है, अथवा आवेदक के विवाहित होने पर पति, पत्नि एवं आश्रित बच्चों आश्रित एवं अविवाहित बच्चों की उम्र का कोई बंधन नहीं से है। आवेदक वर्तमान में राज्य अथवा केन्द्र सरकार की किसी अन्य स्वरोजगार योजना का हितग्राही न हो। ब्याज अनुदान योजनांतर्गत अनुसूचित जाति वर्ग के हितग्राहियों को बैंक द्वारा वितरित, शेष (आउटस्टैंडिंग) ऋण (टर्म लोन एंड वर्किंग कैपिटल लोन) पर 7 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से ब्याज अनुदान एवं अधिकत्म 5 वर्षो तक (मोरेटोरियम अवधि सहित) नियमित रूप से ऋण भुगतान (निर्धारित समय एवं राशि) की शर्त पर दिया जाएगा एवं मप्र शासन द्वारा गारण्टी फीस देय होगी।

एनएफएसए अंतर्गत राशन सामग्री प्राप्त करने हेतु ई-केवाईसी अवश्य कराएं

सिरोंज। विदिशा एनएफएसए के अन्तर्गत राशन सामग्री का लाभ प्राप्त कर रहे हितग्राहियों की ईकेवायसी का विशेष अभियान चलाया जा रहा है ताकि पात्र हितग्राही राशन सामग्री से वंचित न हो उक्त कार्य 30 अप्रैल 2025 तक शतप्रतिशत किये जाने के भारत सरकार के निर्देश हैं। जिले के कुल 1122781 में से 929162 हितग्राहियों की ईकेवायसी पूर्ण की गई है जो कि कुल हितग्राहियों का 83 प्रतिशत है। इसी क्रम में शेष हितग्राहियों के ईकेवायसी किये जाने के संबंध में नगर विदिशा अंतर्गत शासकीय उचित मूल्य दुकान विक्रेताओं की बैठक आयोजित कर प्रतिदिन लक्ष्य के अनुसार समयावधि में शत-प्रतिशत हितग्राहियों की ईकेवायसी पूर्ण किये जाने हेतु निर्देशित किया गया है। शत-प्रतिशत ई-केवाईसी हेतु 30 अप्रैल तक विशेष अभियान जारी रहेगा मप्र शासन द्वारा ईकेवायसी किये जाने हेतु एन्ड्राइड मोबाईल फोन के प्ले स्टोर पर मेरा ईकेवायसी ऐप पर सुविधा राशन प्राप्त कर रहे सभी नागरिकों को दी गई है वह स्वयं उक्त ऐप के माध्यम से अपने शेष सदस्यों की ईकेवायसी कर राशन सामग्री का लाभ लगातार प्राप्त कर सकते हैं। उक्त के संबंध में ईकेवायसी मोबाईल फोन के माध्यम करने की पक्रिया निम्नानुसार है सर्व प्रथम स्मार्ट फोन के प्ले स्टोर से प्मेरा ईकेवायसी ऐपष् सर्च कर डाऊनलोड करें। उसके पश्चात प्ले स्टोर से फेस आरडी को डाउनलोड करना, बिना फेस आरडी के ऐप काम नहीं करेगा। उसके पश्चात प्मेरा ईकेवायसी ऐपष् के उपयोग हेतु अपने मोबाईल की लोकेशन चालू अवस्था में होना अनिवार्य है।

मेट्रो एंकर सहायक खनिज अधिकारी ,निरीक्षक राजीव कदम तथा नगर सैनिक राजपाल सिंह राजपूत, शामलाल, जंजीर लोधी, ऋतुराज राजपूत के संयुक्त समंवय में पूरी की गई

अवैध खनिज उत्खनन करने वालों पर कार्रवाई

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

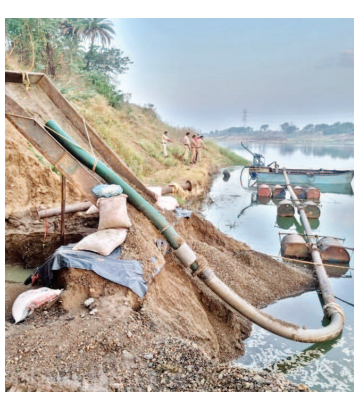

विदिशा कलेक्टर अंशुल गुप्ता के द्वारा दिए गए निर्देशन के अनुपालन में खनिज विभाग के अधिकारी एवं अन्य के द्वारा कार्यवाही की गई है। कलेक्टर श्री गुप्ता के निर्देशानुसार आज संपन्न हुई कार्रवाई की जानकारी देते हुए जिला खनिज अधिकारी मेहताब सिंह रावत ने बताया कि ग्राम लेटनी पानघाट एवं बरेठी बेतवा नदी में अवैध रूप से रेत बजरी उत्खनन की शिकायत की जांच की गई जांच के दौरान ग्राम लेटनी स्थित बेतवा नदी पर पानघाट पर एक बोट एवं 110 पोकलेन मशीन एवं एक 01 बिना नंबर महिंद्रा लाल रंग का ट्रैक्टर 275 डीआई 434 मय ट्राली गौण खनिज रेत बजरी जब्त कर थाना कुरवाई प्रांगण में रखे गये तथा बरेठ में एक ट्रक क्रमांक एमपी 0 6ई 2390 फर्सी पत्थर एवं 01 नीला फार्मट्रैक ट्रैक्टर बिना नंबर गौण खनिज गिट्टी का अवैध परिवहन करते हुए पकड़ा गया जिसे थाना प्रांगण गंज बासौदा के प्रांगण में पुलिस अभिरक्षा में रखा गया है। अवैध खनन परिवहनकर्ताओं के विरुद्ध मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन ,परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम 2022 के प्रावधानों के तहत अग्रिम कार्यवाही हेतु संपूर्ण प्रकरण कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत किए जाएंगे।

इस प्रकार की अवैध खनन परिवहन के विरुद्ध निरंतर कार्यवाही जारी रहेगी। जिल खनिज अधिकारी के नेतृत्व में आज संपन्न हुए कार्यवाही में सहायक खनिज अधिकारी पंकज कुमार वानखेड़े खनिज निरीक्षक राजीव कदम तथा नगर सैनिक राजपाल सिंह राजपूत, शामलाल, जंजीर लोधी, ऋतुराज राजपूत के संयुक्त समंवय में पूरी की गई है।

कजाकिस्तान की एलिना रिबाकिना अंतिम-16 में पहुंची

सबालेंका, ओस्टापेंको और जेब्योर उलटफेर का शिकार

मियामी, एजेंसी

दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी बेलारूस की आर्यना सबालेंका यहां खेले जा रहे मियामी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के अंतिम-32 में उलटफेर का शिकार होकर बाहर हो गईं। उनके अलावा, ट्यूनीशिया की छठी वरीय ओंस जेब्योर और लत्विया की जेलेना ओस्टापेंको की चुनौती भी अंतिम-23 में खत्म हो गई। हालांकि चौथी सीड कजाकिस्तान की एलिना रिबाकिना अंतिम-16 में पहुंच गई। दूसरी वरीय सबालेंका को यूक्रेन की 32वीं वरीय खिलाड़ी अनहेलिना कालिनीना ने 6-4, 1-6, 6-1 से शिकस्त दी। ट्यूनीशियाई खिलाड़ी जेब्योर को रूस की गैरवरीय एलिना अवनेस्यान ने 6-1, 4-6, 6-3 से हराया। लात्वियाई खिलाड़ी ओस्टापेंको को रूस की 22वीं वरीय अना कालिंस्काया के खिलाफ 3-6, 1-6 से हार मिली।

इधर, स्विस ओपन बैडमिंटन - श्रीकांत सेमीफाइनल में हारे, चीनी ताइपे के लिन और तिएन में फाइनल

बासेल. स्विस ओपन का पुरुष एकल खिताब चीनी ताइपे के नाम पक्का हो गया है क्योंकि फाइनल में पहुंचने वाले दोनों खिलाड़ी इसी देश के हैं। खिताबी मुकाबले में लिन चुन और चोयू तिएन चेन के बीच भिड़ंत होगी। सेमीफाइनल में चोयू ने डेनमार्क के रास्मस गेमेक को शिकस्त दी। भारत के अनुभवी शटलर किदांबी श्रीकांत का स्विस ओपन बैडमिंटन में सफर सेमीफाइनल में हार के साथ खत्म हो गया। पुरुष एकल के अंतिम-चार मुकाबले में श्रीकांत कड़े मुकाबले में चीनी ताइपे के खिलाड़ी लिन चुन के खिलाफ 21-15, 9-21, 18-21 से हार गए।

आईपीएल में आज डबल हेडर मैच खेला जाएगा

अहमदाबाद में गुजरात का दिल्ली से मुकाबला, हेड टू हेड में डीसी आगे

अहमदाबाद, एजेंसी

आईपीएल 2025 में आज डबल हेडर (एक दिन में 2 मैच) खेला जाएगा। दिन के पहले मैच गुजरात टाइटंस का सामना दिल्ली कैपिटल्स से होगा। मैच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में दोपहर 3.30 बजे से खेला जाएगा। गुजरात ने अपना सीजन पंजाब किंग्स के खिलाफ हार के साथ शुरू किया था, लेकिन इसके बाद टीम ने मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद और राजस्थान के खिलाफ लगातार चार मैच जीतकर शानदार वापसी की। हालांकि, पिछले मैच में लखनऊ के हाथों 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। टीम के 6 मैचों में 8 पॉइंट्स हैं।

दूसरी ओर, दिल्ली कैपिटल्स ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ एकमात्र मैच गंवाया है, जबकि लखनऊ, हैदराबाद, चेन्नई, बेंगलुरु और राजस्थान के खिलाफ जीत दर्ज की है। राजस्थान के खिलाफ सुपर ओवर में मिली जीत ने टीम का आत्मविश्वास और बढ़ाया है। 6 मैचों में 10 अंकों के साथ दिल्ली फिलहाल पॉइंट्स टेबल में टॉप पर है। वहीं, दिन के दूसर मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स का सामना लखनऊ सुपर जायंट्स से होगा। मुकाबला जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में शाम 7.30 बजे से खेला जाएगा।

हेड टु हेड में गुजरात आगे

आईपीएल में दोनों टीमों के बीच अब तक कुल 5 मैच खेले गए हैं। 2 में जीटी और 3 में डीसी को जीत मिली। पिछले तीनों मुकाबले दिल्ली ने ही जीते हैं। इस मैदान पर दोनों टीमें तीसरी बार एक-दूसरे का सामना करेंगी। पिछले दोनों मैच में तञ्ञ ने जीते हैं।

साई सुदर्शन टॉप स्कोरर

गुजरात टाइटंस के बल्लेबाज साई सुदर्शन टीम के टॉप स्कोरर हैं। उन्होंने 6 मैचों में कुल 329 रन बनाए है। सुदर्शन इस सीजन में अब तक 4 हाफ सेंचुरी लगा चुके है। वे इस सीजन सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे खिलाड़ी हैं। वहीं गेंदबाजों में प्रसिद्ध कृष्णा टॉप पर हैं। उन्होंने 6 मैचों में कुल 10 विकेट लिए है। उन्होंने पंजाब किंग्स के खिलाफ 30 रन देकर 3 विकेट हॉल लिया था।

राहुल ने ज्यादा रन बनाए

दिल्ली कैपिटल्स के लिए केएल राहुल ने सबसे ज्यादा 238 रन बनाए हैं। वहीं, दिल्ली के गेंदबाज कुलदीप यादव टीम के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज है। उन्होंने 6 मैचों में 11 विकेट लिए। उनके बाद मिचेल स्टार्क ने 5 मैचों में 10 विकेट लिए है।

नरेंद्र मोदी स्टेडियम की पिच बैटिंग फ्रैंडली है। यहां अब तक आईपीएल के 38 मैच खेले गए हैं। 18 मैचों में पहली इनिंग में बैटिंग करने वाली टीम और 20 में चेज करने वाली टीम को जीत मिली। यहां का हाईएस्ट टीम स्कोर 243/5 है, जो पंजाब किंग्स ने इसी सीजन गुजरात के खिलाफ बनाया था। यह मुकाबला पंजाब ने 11 रन से जीता था। अहमदाबाद में मैच वाले दिन काफी ज्यादा गर्मी रहेगी। शनिवार को यहां का टेम्परेचर 26 से 42 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। बारिश की बिल्कुल संभावना नहीं है। हवा की रफ्तार 11 किमी प्रति घंटा रहेगी।

पॉसिबल प्लेइंग-12

गुजरात टाइटंसः शुभमन गिल (कप्तान), साई सुदर्शन, जोस बटलर, शाहरुख खान, राहुल तेवतिया, राशिद खान, वॉशिंगटन सुंदर, साई किशोर, मोहम्मद सिराज, अरशद खान, शेरफेन रदरफोर्ड, प्रसिद्ध कृष्णा।

दिल्ली कैपिटल्स- अक्षर पटेल (कप्तान), जैक फ्रेजर मैगर्क, अभिषेक पोरेल, करुण नायर, केएल राहुल (विकेटकीपर), ट्रिस्टन स्टब्स, आशुतोष शर्मा, विपराज निगम, मिचेल स्टार्क, कुलदीप यादव, मोहित शर्मा, मुकेश कुमार।

मनु भाकर को हराया

झज्जर की शूटर सुरुचि ने वर्ल्ड कप में जीता गोल्ड

भिवानी, एजेंसी

भारतीय निशानेबाज सुरुचि सिंह ने ISSF विश्व कप 2025 लीमा में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता है। सुरुचि सिंह ने फाइनल मैच जीतने के लिए कुल 243.6 अंक बनाए और दो बार की ओलिंपिक पदक विजेता मनु भाकर को हराया, जो 242.3 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। जबकि पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना की याओ कियानक्सुन 219.5 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। सुरुचि भिवानी में गुरु द्रोणाचार्य शूटिंग अकादमी में अभ्यास करती हैं। सुरुचि सिंह का विश्व कप में यह दूसरा स्वर्ण पदक है। उन्होंने पिछले ढ्स्स्न विश्व कप 2025 ब्यूनस आयर्स में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल शूटिंग स्पर्धा में भी स्वर्ण पदक जीता था। पिछले साल नई दिल्ली में शूटिंग नेशनल्स में 7 स्वर्ण पदक जीतने वाली सुरुचि ने ब्यूनस आयर्स में फाइनल में 244.6 स्कोर करके अपना पहला विश्व कप पदक जीता। सुरुचि सिंह और सौरभ चौधरी ने ब्यूनस आयर्स में 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक भी जीता।

ट्रेन में प्रैक्टिस करने आती है

कोच सुरेश सिंह ने बताया कि सुरूचि ने 10 मीटर एयर पिस्टल की शूटर है। जो मूल रूप से झज्जर जिला की निवासी है तथा भिवानी के गुरू द्रोणाचार्य शूटिंग अकादमी में अभ्यास करती है। देहरादून में हुए राष्ट्रीय खेलों में भी सुरूचि ने दो गोल्ड मेडल हासिल किए थे। फिलहाल सुरूचि विश्व कप के लिए अर्जेंटिना गई हुई है तथा इस चैंपियनशिप में उन्होंने एक गोल्ड व एक ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया है। सुरूचि अब पेरू में आयोजित विश्व स्तरीय प्रतियोगिता में हिस्सेदारी कर रही है। जिसका रात दो बजे मैच है तथा उन्हें पूरा

विश्वास है कि इस प्रतियोगिता में भी सुरूचि स्वर्ण पदक ही लेकर लौटेंगी। कोच सुरेश सिंह ने बताया कि सुरूचि रोजाना घर से ट्रेन में भिवानी अभ्यास करने आती है तथा शाम को वापिस घर के लिए ट्रेन पकड़ती है। सुरूचि अपने पूर्व सैनिक पिता व दो भाई के साथ अकादमी आती है।

परिवार चाहता था सुरुचि खिलाड़ी बने

सुरुचि के पिता इंद्र सिंह ने बताया कि सुरुचि की इस उपलब्धि से अकादमी और परिवार में खुशी का माहौल है। सुरुचि बचपन से ही पढ़ाई में अच्छी रही है और फिलहाल बीए प्रथम वर्ष की स्टूडेंट है। उसका परिवार शुरू से ही चाहता था कि सुरुचि खिलाड़ी बने। जिसके लिए उसने बचपन से ही कड़ी मेहनत की और आज वह विश्व स्तर की पदक विजेता खिलाड़ी बन गई है।

मेट्रो बाजार

व्यापार : कई देशों से ट्रेड डेफिसिट चीन से व्यापार घाटा 100 अरब डॉलर

नईदिल्ली, एजेंसी

डंपिंग की बढ़ती चिंता के बीच वित्त वर्ष 2024-25 में चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा करीब 100 अरब डॉलर पहुंच गया है। चीन से आयात 11.5 फीसदी बढ़कर 113.45 अरब डॉलर हो गया, जबकि निर्यात 14.5 फीसदी कम होकर 14.2 अरब डॉलर रह गया। अमरीका-चीन के बीच चल रहे व्यापार युद्ध के कारण चीन से भारत को होने वाले निर्यात में तेज बढ़ोतरी की चिंता बढ़ी है। भारत सरकार को डर है कि ट्रेड वॉर से चीन, इंडोनेशिया, वियतनाम जैसे कई देशों के निर्यातक अपना माल भारत को भेज सकते हैं। इससे भारत के घरेलू उद्योगों पर दबाव बढ़ेगा। भारत का व्यापार घाटा केवल चीन तक सीमित नहीं है, बल्कि यूएई, सऊदी अरब, दक्षिण कोरिया, हांगकांग जैसे देशों के साथ भी हम घाटे में हैं। टॉप 10 ट्रेडिंग पार्टनर्स में से 6 देशों के साथ 2024-25 में भारत का निर्यात घटा है।

अमरीका भारत का सबसे बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर: भारत का अमरीका के साथ वर्ष 2024-25 में 41.18 अरब डॉलर का ट्रेड सरप्लस रहा। भारत ने अमरीका को 86.51 अरब डॉलर का निर्यात तो वहां से 45.33 अरब डॉलर का माल आयात किया। अमरीका लागातर चौथे साल भारत का सबसे बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर रहा। इसी वजह से रेसिप्रोकल टैरिफ के कारण भारतीय उद्योग सकते में है और जल्द से जल्द व्यापार समझौते के लिए सरकार से गुजारिश कर रहा है। भारत से अमरीका को निर्यात मार्च में 35 फीसदी बढ़कर 10.1 अरब डॉलर हो गया है। चीन भारत का दूसरा सबसे बड़ा और नीदरलैंड्स तीसरा सबसे बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर है। अमरीका-चीन ट्रेड वॉर से भारत में सस्ते चीनी उत्पादों की डंपिंग का खतरा बढ़ गया है। डंपिंग होती है तो चीन से भारत का व्यापार घाटा और बढ़ जाएगा।

कैशलेस इलाज के लिए एक घंटे में मिलेगी मंजूरी!

नई दिल्ली. स्वास्थ्य बीमा दावों और कैशलेस मंजूरी में देरी से जूझ रहे मरीजों और उनके परिजनों को जल्द इससे राहत मिल सकती है। सूत्रों के मुताबिक, केंद्र सरकार स्वास्थ्य बीमा कंपनियों के लिए कैशलेस मंजूरी अनुरोध को एक घंटे के भीतर और अंतिम दावा निपटान को 3 घंटे के भीतर अनिवार्य करने की योजना बना रही है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बीमा क्षेत्र के लिए भारतीय मानक ब्यूरो जैसे मानकों को लागू करने पर विचार किया जा रहा है, ताकि बीमा उद्योग के संचालन को सुव्यवस्थित किया जा सके। सूत्रों के मुताबिक, केंद्र सरकार राष्ट्रीय स्वास्थ्य दावा एक्सचेंज (एनएचसीएक्स) के माध्यम से बीमा दावा स्वीकृति और निपटान प्रि या को डिजिटल और पारदर्शी बनाने की दिशा में काम कर रही है। इसमें राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण और इरडा के साथ मिलकर नए दिशा-निर्देश तैयार किए जा रहे हैं। इंश्योरेंस ब्रोकर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने कहा, नियम बनाना एक बात है, लेकिन उसे लागू करना चुनौती है। बीमाकर्ता, टीपीए और अस्पतालों के बीच समन्वय जरूरी है, तभी समय पर निपटान संभव हो पाएगा। सर्जरी की दरें पूरे देश में एक जैसी होनी चाहिए। बीमा दावे व आवेदन पत्रों को सरल और समझने योग्य बनाने के लिए एक पेशेवर एजेंसी की मदद से मानकीकृत प्रारूप तैयार करने की भी योजना है।

यानी सभी अस्पतालों में एक जैसा फॉर्म होगा। इससे बीमाकर्ता समय पर और पूरी राशि का भुगतान कर सकेंगे। इरडा ने वर्ष 2024 में ही बीमा दावों के तुरंत निपटारे के लिए दिशा-निर्देश जारी किए थे, लेकिन दावों की बढ़ती संख्या के कारण बीमा कंपनियां इन नियमों का पालन करने में विफल रही हैं। अधिकारी ने कहा कि कई मामलों में बीमा कंपनियों ने 100% कैशलेस दावों को खारिज या अस्वीकार किया है।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

देसी गर्ल प्रियंका चौपड़ा ऑस्कर नॉमिनेटेड डॉक्यूमेंट्री का हिस्सा बनीं

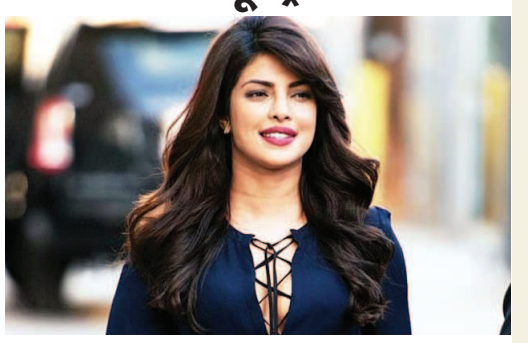

ग्लोबल एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा आए दिन खबरों में बनी रहती हैं. वहीं अब एक्ट्रेस ने अपने फैंस के साथ एक गूड न्यूज शेयर की है. देसी गर्ल अब ऑस्कर-नॉमिनेटेड फिल्म 'टू किल अ टाइगर' का हिस्सा हैं. इस बात की जानकारी एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर दी है. प्रियंका ने अपने सोशल मीडिया पर एक लंबा चौड़ा पोस्ट शेयर करते हुए बताया है कि एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर के रूप में अब वह ऑस्कर-नॉमिनेटेड फिल्म टू किल अ टाइगर की टीम में शामिल हो चुकी हैं. इस गुड न्यूज को शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने अपनी खुशी जाहिर की है. उन्होंने लिखा कि मुझे ये घोषणा करते हुए काफी गर्व महसूस हो रहा है कि अब मैं भी ऑस्कर-नॉमिनेटेड फिल्म टू किल अ टाइगर का हिस्सा हूं. इस फिल्म के राइट्स नेटफ्लिक्स ने खरीद लिए हैं. जब साल 2022 में मैंने पहली बार यह फिल्म देखी तो मैं तुरंत इसकी दर्द भरी कहानी से प्रभावित हो गई, जिसमें अपनी बेटी को न्याय दिलाने के लिए एक पिता के बहादुरी भरे संघर्ष को दर्शाया गया है।

कहा- 'मैं इंतजार नहीं कर सकती'

प्रियंका लिखती हैं कि इसकी कहानी वाकई में हार्ट हिटिंग है. मेरा जन्म भी झारखंड में हुआ था. ऐसे में एक बेटी और पिता की कहानी को देख मैं टूट गई. इस कहानी को जानने के लिए दुनिया भर के दर्शकों का मैं इंतजार नहीं कर पा रही हूं.

जीता ये खास अवॉर्ड: डॉक्यूमेंट्री 'टू किल अ टाइगर' 10 सितंबर साल 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया था. बता दें कि टू किल ए टाइगर भारत की इकलौती ऐसी फिल्म है जो ऑस्कर में बेस्ट डाक्यूमेंट्री श्रेणी के लिए नॉमिनेट हुई है. इतना ही नहीं टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में भी इस फिल्म प्रीमियर हुआ था और यहां फिल्म ने बेस्ट कनाडाई फीचर फिल्म के लिए एम्पलीफाई वॉयस अवॉर्ड जीता था.

दर्दनाक है फिल्म की कहानी: फिल्म में 13 साल की छोटी सी बच्ची की दर्दनाक कहानी दिखाई गई है, जहां तीन लोग मिलकर उसका रेप कर देते हैं. वहीं पिता अपनी 13 साल की बेटी को इंसाफ दिलाने के लिए हर संभव कोशिश करता है. बता दें कि ये कहानी झारखंड में रहने वाली एक छोटी सी बच्ची की है।

300 रुपए में अभिनेता अक्षय खन्ना को एक्टिंग सिखाते थे अनूप सोनी

अनूप सोनी ने बताया कि उन्होंने अक्षय खन्ना को एक्टिंग सिखाई है और उनके टीचर रहे हैं?। अनूप ने बताया कि जब उन्हें कम काम मिल रहा था तो किशोर नमित के संस्थान से जुड़े। एकटर के मुताबिक, वह एक एक्टिंग क्लास के लिए 300 रुपये फीस लेते थे। एक्टर अनूप सोनी ने 1999 में फिल्मों में कदम रखे थे, जबकि अक्षय खन्ना 1997 में फिल्मों में आए थे। इसके बावजूद परिस्थितियां कुछ ऐसी बनीं कि अनूप सोनी ने अक्षय खन्ना को एक्टिंग सिखाई थी। वह उनके एक्टिंग टीचर रहे और एक क्लास के लिए 300 रुपये फीस लेते थे। अनूप सोनी ने हाल ही एक इंटरव्यू में खुद इसका खुलासा किया। फिल्मों में एंट्री से पहले अनूप सोनी ने टीवी पर काम किया था। एनएसडी से पास होने के बाद उन्होंने 1994 में टीवी की दुनिया में कदम रखे। 'शांति', 'तहकीकात' और 'सी हॉक्स' जैसे टीवी सीरियलों से वह नाम कमा चुके थे। फिर ऐसा वक्त आया, जब अनूप सोनी को एक्टिंग के कम मौके मिलने लगे। तब वह एक्टिंग टीचर बन गए थे। अनूप सोनी ने बताया, मैं बहुत बेचैन आत्मा हूं। मुझे खाली बैठना पसंद नहीं है। मुझे हमेशा कुछ न कुछ करने की जरूरत महसूस होती है। जब मैं नया था, तब मोबाइल फोन नहीं थे, हम पीसीओ पर कॉल करते थे। इसलिए, अगर मैं एक दिन में तीन कॉल करता, और वो मुझे अगले हफ्ते वापस कॉल करने के लिए कहते, तो मुझे पता चल जाता कि अब मेरे पास पूरे दिन कुछ करने के लिए नहीं है। मैं और मेरे दोस्त ट्रेन में चढ़ते और समय बिताने के लिए मरीन ड्राइव पर चले जाते। लेकिन फिर मैंने खुद से कहा कि यह मैं हर दिन नहीं कर सकता। मुझे अपने दिमाग को बिजी रखने के लिए कुछ करना होगा।

शाहिद कपूर को ऑफर हुई थी 'रंग दे बसंती', एक्टर ने ठुकराई थी फिल्म

शाहिद ने एक खुलासा किया कि उन्हें राकेश ओमप्रकाश मेहरा की फिल्म 'रंग दे बसंती' ऑफर हुई थी। लेकिन शाहिद वो फिल्म नहीं कर पाए थे। ऑफर मना करने पर एक्टर को काफी अफसोस भी हुआ था। शाहिद कपूर बॉलीवुड के सफल एक्टर्स में से एक हैं। शाहिद ने बतौर बैकग्राउंड डांसर अपने करियर की शुरुआत की थी, लेकिन आज वे एक बड़े मुकाम पर पहुंच चुके हैं। एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने कहा- मुझे 'रंग दे बसंती' फिल्म न करने का बहुत अफसोस है। डायरेक्टर चाहते थे कि मैं फिल्म में सिद्धार्थ की भूमिका निभाऊं। मैं स्क्रिप्ट पढ़ते समय रोया था और मुझे स्क्रिप्ट काफी पसंद भी आई थी। लेकिन दुर्भाग्य से मैं इसके लिए समय नहीं निकाल सका। क्योंकि मैं उस दौरान दूसरे 2-3 प्रोजेक्ट्स में व्यस्त था। हालांकि बाद में जब मैंने 'रंग दे बसंती' देखी, तो मुझे फिल्म काफी अच्छी लगी। शाहिद कपूर हाल ही में फिल्म 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' में नजर आए थे। इस फिल्म में उनके साथ कृति सेनन थीं। फिल्म की राइटिंग और डायरेक्शन अमित जोशी और आराधना शाह की जोड़ी ने मिलकर की। रोबोट-साइंटिस्ट के बीच प्यार पर आधारित इस फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर भी अच्छा रिस्पॉन्स देखने को मिला। पिछले साल, शाहिद ने राज और डीके की क्राइम थ्रिलर सीरीज 'फर्जी' के साथ डिजिटल स्पेस में कदम रखा, जो सबसे सफल वेब सीरीज में से एक बन गई थी। एक्टर जल्द ही पूजा हेगड़े के साथ 'देवा' फिल्म में नजर आएंगे।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

भोपाल। मिसरोद थाना क्षेत्र स्थित शीतल हाइट्स के पीछे शुक्रवार सुबह अज्ञात युवक की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। युवक के पास से ऐसा कोई भी दस्तावेज नहीं मिला है, जिससे की उसकी शिनाख्त की जा सके। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया है। मृतक की शिनाख्त करने आसपास के जिलों और राजधानी के थानों में मृतक का हुलिया भेजा गया है। एएसआई अमोद शर्मा ने बताया कि स्टेशन मास्टर अनिल दुबे द्वारा सूचना दी गई थी कि शीतल हाइट के पीछे रेलवे ट्रैक पर कोई व्यक्ति ट्रेन से कट गया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने लाश बरामद कर पीएम के लिए भेज दी। मृतक की उम्र करीब 35 से 40 साल के आसपास बताई जा रही है। मृतक के बाएं हाथ पर राजू लिखा हुआ है और ऊपर ओम बना हुआ है। मृतक की लाश पर लाश रंग के कपड़े हैं। ट्रेन की चपेट में आने के कारण उसका मुंह कुचल गया है। बांया पैर कटकर अलग हो चुका था।

बेवजह हॉर्न बजाने से मना करने पर मारा चाकू

भोपाल। जहांगीराबाद थाना क्षेत्र स्थित पीपल वाली गली मदीना डेयरी के सामने शुक्रवार दोपहर एक्टिवा सवार दो बदमाशों ने युवक पर चाकू से हमला कर दिया।सीसीटीवी फुटेज से तलाश दरअसल, युवक बाइक से अस्पताल जा रहा था, तभी पीछे एक्टिवा से आ रहे दो युवक बेवजह हॉर्न बजा रहे थे। युवक ने उन्हें बेवजह हॉर्न नहीं बजाने की बात कही तो वह भड़क गए और गालीगलौज करते हुए चाकू से हमला कर दिया। पुलिस के अनुसार जहांगीराबाद निवासी सोहेल सिद्दीकी (34) ने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि शुक्रवार दोपहर करीब 3 बजे वह अपने घर से अस्पताल जा रहे थे। इस दौरान उनकी बाइक के पीछे एक्टिवा सवार दो युवक बेवजह हार्न बजाने लगे। उन्होंने बाइक रोकी और बेवजह हॉर्न बजाने का कारण पूछा तो वह भड़क गए और गालीगलौज करने लगे। गाली देने से मना करने पर आरोपी मारपीट पर उतारू हो गए और अपने पास रखा चाकू निकालकर सोहेल की पीठ पर मार दिया।

मिसरोद में बैंक प्रबंधक के सूने मकान से चोरी

भोपाल। मिसरोद में रहने वाले एक बैंक प्रबंधक के सूने मकान का ताला तोड़कर चोर जेवरात और नकदी समेत हजारों का सामान चोरी कर ले गए। वारदात के समय प्रबंधक परिवार समेत शहर से बाहर गए हुए थे। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है, लेकिन आरोपियों का कुछ पता नहीं चल पाया है। जानकारी के अनुसार कोकसिंह मेहरोत्रा (41) त्रिभुवन कालोनी सलैया मिसरोद में रहते हैं और एसबीआई में प्रबंधक हैं। फिलहाल उनकी पोस्टिंग उज्जैन में है। पिछले दिनों कोकसिंह उज्जैन से सीधे उरई उत्तर प्रदेश चले गए थे, जबकि उसी दिन उनकी पत्नी-बच्चे और परिवार को अन्य लोग कार से उरई के लिए निकल गए थे। चार दिन बाद वापस लौटे तो मकान के मेनगेट का ताला टूटा मिला। अंदर जाकर देखा तो अलमारियां खुली पड़ी थी और पूरा सामान बिखरा पड़ा था। चैक करने पर अलमारी में रखे सोने-चांदी के जेवरात और नकदी समेत हजारों रुपए का सामान गायब था। फरियादी ने इस मामले की लिखित शिकायत पुलिस को दी थी।

होली क्रॉस स्कूल के पास देर रात हुआ हादसा, गाय को बचाने कार हुई अनियंत्रित

कार बेकाबू होकर नहर में गिरी एयर हॉस्टेस की मौत, साथी घायल

कार चला रहे दोस्त पर पुलिस ने की एफआईआर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कोलार थाना क्षेत्र स्थित होली क्रॉस स्कूल के पास बीती रात करीब 9 बजे कार अनियंत्रित होकर नहर में गिर गई। इस हादसे में कार सवार एयर हॉस्टेस की मौत हो गई, जबकि कार चला रहे युवक समेत तीन युवक घायल हुए है। हादसा एकाएक सड़क पर आए मवेशी को बचाने के चलते हुआ। दरअसल, मवेशी को बचाने कार अनियंत्रित होकर सड़क से नहर में जा घुसी थी। एएसआई रूपेश नरेरे ने बताया कि हर्षिता शर्मा पिता प्रदीप शर्मा (22) बिजली नगर कॉलोनी, पिपलानी में रहती थी। वह एयर इंडिया में एयर हॉस्टेस थी। गुरुवार को वह बेंगलोर से भोपाल आई थी। रात में अपने दोस्त सुजल, जय सिंह और आयुष के साथ वह कार से घूमने निकली। कार जय सिंह चला रहा था। सभी लोग कोलार डैम की तरफ जा रहे थे। सभी लोग होली क्रॉस स्कूल से कुछ दूरी पर सेमरी रोड पर पहुंचे थे, तभी रात करीब 9 बजे नहर के पास सड़क पर गाय आ गए। एकाएक सड़क पर आई गाय को बचाने जय सिंह से कार अनियंत्रित हो गई और सड़क से उतरकर नहर में जा घुसी।

हादसे में हर्षिता शर्मा को गंभीर चोट थी। साथी उसे चूनाभट्टी स्थित निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद हालत नाजुक बताते हुए हमीदिया अस्पताल ले जाने की सलाह दी। हमीदिया अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टर ने हर्षिता को मृत घोषित कर दिया।

कहां रुकी थी किसी को नहीं जानकारी – परिजन को पता नहीं था कि हर्षिता भोपाल कब पहुंची और कहां रुकी थी। बताया जा रहा है कि वह मिनाल के पास किसी होटल में रुकी हुई थी। बीस अप्रैल को उसके भाई का जन्मदिन था। वह जन्मदिन से पहले भोपाल आ गई थी। उसे भाई का बर्थ-डे मनाना था। इससे पहले ही हादसे का शिकार हो गई। पुलिस ने उक्त मामले में कार चला रहे जय सिंह पर तेजी और लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाकर एक्सीडेंट करने का मामला दर्ज किया है।

निजी अस्पताल में घायलों का इलाज – हर्षिता शर्मा के पिता प्रदीप शर्मा प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करते हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि उनके मोबाइल पर रात करीब साढ़े 10 बजे हर्षिता की दोस्त शिवानी का कॉल आया था।

कार की टक्कर से बाइक सवार युवक घायल

भोपाल। बिशनखेड़ी चौराहे के पास एक तेज रफ्तार कार ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार दो युवक घायल हो गए। जानकारी के अनुसार श्यामपुर जिला सीहोर निवासी संजय मीना (22) फिलहाल शांति नगर कालोनी करोंद में रहता है और मेडिकल कंपनी में काम करता है। बीती पंद्रह अप्रैल की शाम करीब छह बजे वह अपने दोस्त बंटी सिलावट के साथ ग्राम अचारपुरा से अपने घर लौट रहा था। बिशनखेड़ी चौराहे के पास अब्बास नगर की तरफ से आ रही तेज रफ्तार कार ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे दोनों बाइक समेत सड़क पर गिरकर घायल हो गए। संजय को हल्की चोट आई जबकि बंटी गंभीर रूप से घायल हुआ है। उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने कार चालक के खिलाफ एक्सीडेंट का केस दर्ज कर लिया है।

ट्रक डंपर में घुसा, चालक की मौत, क्लीनर घायल, समरधा की घटना

भोपाल। मिसरोद थाना क्षेत्र स्थित समरधा इलाके में खड़े डंपर में ट्रक जा घुसा। घटना गत 15 अप्रैल की बताई जा रही है। हादसे में घायल ट्रक चालक और क्लीनर को मंडीदीप के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वहां से एम्स रेफर कर दिया गया। एम्स में इलाज के दौरान शुक्रवार सुबह उसकी मौत हो गई। पुलिस का कहना है कि शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। घायल क्लीनर का कटनी में इलाज चल रहा है। उससे पूछताछ के बाद हादसे की सही वजह का पता चल सकेगा। हेड कांस्टेबल बद्री प्रसाद ने बताया कि रिषीराज पिता हनुमत (31) मंडीदीप रायसेन में रहता था और ट्रक में ड्राइवरी करता था। गत 15 अप्रैल को समरधा इलाके में सड़क पर खराब खड़े डंपर में उसका ट्रक जा घुसा था। इस हादसे में रिषीराज और क्लीनर को गंभीर चोट आई थी। उन्हें मंडीदीप के निजी अस्पताल ले जाया गया। वहां उसका इलाज चल रहा था। तबीयत में सुधार नहीं होने के कारण परिजन उसे एम्स लेकर पहुंचे थे। वहां इलाज के दौरान शुक्रवार सुबह रिषीराज की मौत हो गई। हादसे की सूचना अस्पताल ने मंडीदीप पुलिस को दी थी। बाद में पता चला कि घटनास्थल मिसरोद थाना क्षेत्र का है।

नाबालिग से शराब की तस्करी कराने वाले पर प्रकरण दर्ज

शराब की पेटी पहुंचाने के बदले देता था 50 रुपए

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मिसरोद पुलिस ने एक नाबालिग से शराब की दो पेटियां जब्त की है। नाबालिग से पुलिस ने शराब के बारे में पूछताछ की तो उसने चौकाने वाला जवाब दिया। उसने कहा कि यह शराब उसे प्रकाश मंडल नाम के अंकल देते हैं। शराब की बेटियां उनके बताए ठिकाने पर पहुंचाने से प्रति पेटी के हिसाब से उसे पचास रुपए मिलते हैं। पुलिस ने नाबालिग से शराब जब्त करते हुए आरोपी प्रकाश मंडल के खिलाफ जेजे एक्ट की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है।

पुलिस के अनुसार काफी दिनों से पुलिस को सूचना मिल रही थी एक बच्चा अवैध शराब की तस्करी कर रहा है और बेचता भी है। सूचना के बाद पुलिस की टीम हरकत में आई और नाबालिग पर नजर रखी गई। इस दौरान नाबालिग शराब की पेटी के साथ मिल गया।

नाबालिग से पूछा गया कि उक्त शराब कहां से आई तो वह कहने लगा कि एक अंकल उसे शराब की पेटियां दे कर जाते है, लेकिन वह उसका नाम नहीं बता रहा था।

उसे बातों में उलझाकर पूछताछ की तो उसने बताया कि प्रकाश मंडल का युवक उसे शराब देता है। वह करीब पंद्रह दिन से पैसों का लालच देकर उसे शराब देकर यहां वहां भेजता था। नाबालिग होने के कारण उस पर किसी को संदेह भी नहीं होता था।

वाहन चेकिंग के नाम पर महिला से छेड़छाड़, प्रधान आरक्षक सहित आरक्षक पर मामला दर्ज

भोपाल। अवधपुरी थाना क्षेत्र में वाहन चेकिंग के नाम पर महिला से छेड़छाड़ और मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़िता ने घटना की शिकायत महिला थाना पुलिस से की है। घटना गत 17 अप्रैल की है। महिला थाना पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 33 साल की महिला थाना क्षेत्र में रहती है। उसने महिला थाना पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि 17 अप्रैल को वह घर से सामान खरीदने मार्केट गई थी। इस दौरान अवधपुरी पुलिस का थाने से कुछ दूरी पर चेकिंग पॉइंट लगा था। चेकिंग पॉइंट में प्रधान आरक्षक अतुल चौकसे और आरक्षक जितेंद्र था। अतुल ने पीड़िता की गाड़ी रोकी और पूछताछ करने लगा। इस दौरान अतुल चौकसे ने अभद्रता की। विरोध करने पर चार-पांच थप्पड़ भी मारे। उसके साथ अभद्रता और मारपीट होती देख आरक्षक जितेंद्र मूकदर्शक बना रहा। प्रधान आरक्षक अतुल कहने लगा इसका वीडियो बनाओ। वह कहने लगा तेरी गाड़ी अब कोर्ट से ही छूटेगी ।

शराब पार्टी में खाना बनाने पर विवाद, युवक की पीटकर हत्या

बिहार ले जाने की फिराक में थे आरोपी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बैरसिया थाना क्षेत्र स्थित गांव बवचिया में शराब पार्टी के बाद खाना बनाने की बात को लेकर हुए विवाद में बीती रात एक मजदूर की उसी के साथियों ने लाठी-डंडे से पिटाई कर दी। सिर डंडा लगने से युवक को गंभीर चोट आई थी। आरोपी उसे अधमरा छोड़कर चले गए। सुबह उसकी मौत हो गई। पुलिस हत्या के इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है। बैरसिया थाना प्रभारी अरुण शर्मा ने बताया कि बिहार निवासी धनेश्वर यादव (50) करीब एक महीने पर पहले यहां ग्राम बवचिया में बारदाना भरने आया था। उसके साथ बिहार के अन्य लोग भी मजदूरी के लिए आए हैं। सभी हरसिध्दि वेयरहाउस में काम कर रहे थे। रात सभी ने शराब पार्टी की। खाना बनाने के लेकर उनके बीच रात 11 बजे विवाद हो गया। मारपीट के दौरान आरोपियों ने धनेश्वर के सिर पर लाठी-डंडे से हमला कर दिया। इससे वह बेहोश हो गया। रातभर आरोपी घायल को

मेट्रो एंकर | गौतम नगर थाना क्षेत्र का मामला

नाबालिग को अगवा कर, अजनाल डैम ले जाकर मारपीट

भोपाल, दोपहर मेट्रो

एमपी नगर से साढ़े 16 साल के नाबालिग का अपहरण कर उसे अजनाल डैम बिलखिरिया ले जाने और बेरहमी से मारपीट करने का मामला सामने आया है। आरोपी उसे बाइक पर बिठाकर ले गए थे और चप्पल और बेल्ट से पीट पीटकर कहलवाते रहे कि अरबाज हमारा बाप है। घटना गत 22 मार्च की रात की बताई जा रही है।

सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद परिजन उसे गौतम नगर थाने लेकर पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई। गौतम नगर पुलिस ने अपहरण और मारपीट समेत पाक्सो एक्ट की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर लिया है। घटनास्थल एमपी नगर थाना क्षेत्र की है। केस डायरी एमपी नगर थाने भेजी जा रही है।

पुलिस के अनुसार साढ़े 16 साल का किशोर गौतम नगर इलाके में रहता है और फल की दुकानों पर काम करता है। उसने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि उसके भाई शाहरुख की वर्ष 2021 में नारियलखेड़ा में हत्या हुई थी। नग्न कर चप्पल से पीटा, शाहरुख भाई का दोस्त नजीम बच्चा है। नजीम किसी अपराध में जेल में बंद है। वह नदीम से मिलने जेल जाता था। इस दौरान जेल में बंद अरबाज ने उसे देख लिया।

अरबाज और नदीम बच्चा की आपस में बनती नहीं है। अरबाज जेल से छूटकर आया और वह उसका पीछा करने लगा।

चेतक ब्रिज के पास कैफे से उठाया – नाबालिग ने बताया कि गत 22 मार्च को वह चेतक ब्रिज के पास एक कैफे के पास खड़ा था, तभी अरबाज, शानू और अलताफ सहित उसके अन्य साथी पहुंचे। सभी ने धमकाते हुए उसे बाइक पर बिठाया और बिलखिरिया थाने के सामने से अजनाल डैम लेकर पहुंचे। वहां डैम के पास उसे नग्न कर पीटा गया। आरोपियों ने चप्पल और बेल्ट से मारपीट की। वे गालियां देते रहे कि कहो अरबाज हमारा बाप है।

धमकी और मारपीट से डरकर नहीं की शिकायत – नाबालिग ने पुलिस को बताया कि आरोपियों ने उसे धमकी दी थी कि यदि हमारी शिकायत पुलिस से की तो तुम्हारा वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर देंगे और जाने खत्म कर देंगे। आरोपियों से डरकर वह शिकायत नहीं कर रहा था।

दो दिन पूर्व आरोपियों ने उसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वीडियो वायरल होने के बाद परिजन उसे पुलिस थाने लेकर पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने बताया कि आरोपी अरबाज अभी फिर किसी अपराध में जेल में बंद है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022